केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 205 | उज्जैन, रविवार 4 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

कुछ लोग बिना रिश्ते के रिश्ते निभाते है, ज़िन्दगी में शायद वो लोग ही दोस्त कहलाते है

प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और नवाचार आधारित विकास में अंतर-राज्यीय सहयोग को मिलेगा बढ़ावा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्य का तकनीकी और निवेश दृष्टिकोण होगा प्रस्तुत

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झमुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संरचित साझेदारियों के माध्यम से प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और नवाचार-आधारित विकास में अंतर-राज्यीय सहयोग को बढ़ाया जाएगा। इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग 4 से 6 जनवरी 2026 तक जयपुर में आयोजित राजस्थान डिजीफेस्ट-टीआईई ग्लोबल समिट 2026 के 10वें संस्करण में सिल्वर स्टेट पार्टनर के रूप में शामिल होगा। यह भागीदारी 27 नवंबर 2025 को आयोजित एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के दौरान द इंडस एंटरप्रेन्योर्स (टीआईई) राजस्थान के साथ हस्ताक्षरित समझौते के अनुरूप होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जो उभरते और उच्च विकास वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य के प्रौद्योगिकी एवं निवेश संबंधी दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे। राज्य की प्रस्तुति 5 जनवरी 2026 को जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र में आयोजित होगी, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्राथमिकता प्राप्त प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में वैश्विक निवेशकों तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के समक्ष अवसरों की विस्तृत रूपरेखा रखेंगे। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे उच्च स्तरीय राज्य प्रस्तुति देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इनोवेशन एक्सपो का भ्रमण करेंगे और मध्यप्रदेश पवेलियन का दौरा कर स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स एवं उद्योग प्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीईओ, निवेशकों तथा वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ व्यक्तिगत बैठक कर मध्यप्रदेश में रणनीतिक निवेश के अवसरों एवं दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा भी करेंगे।

टीआईई ग्लोबल समिट-2026 में मध्यप्रदेश अपनी नवस्थापित एवं प्रगतिशील नीतिगत व्यवस्था का प्रभावी प्रदर्शन करेगा, जिसमें आईटी एवं आईटी-सक्षम सेवाएं, स्टार्टअप्स, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम), एवीजीसी-एक्सआर, ड्रोन, वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) तथा अन्य सहायक ढांचे शामिल हैं। ये नीतियां राज्य को अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों, डिजिटल नवाचार तथा उच्च-मूल्य वाले रोजगार सृजन के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाने और भारत के टियर-2 शहरों के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

समिट में टीआईई ग्लोबल के गणमान्य व्यक्ति तथा राजस्थान के प्रमुख उद्योगपति शामिल होंगे जो उद्यमिता, निवेश एवं क्षेत्रीय सहयोग पर अपने विचार साझा करेंगे। मध्यप्रदेश की उद्योग शक्ति का मजबूत प्रतिनिधित्व राज्य में मुख्यालय या परिचालन वाली विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कंपनियों द्वारा किया जाएगा। यश टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक श्री धर्मेन्द्र जैन, इंफोबीन्स टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक श्री सिद्धार्थ सेठी, इम्पेटस टेक्नोलॉजीज के सीईओ श्री संजीव अग्रवाल तथा क्लिनिसप्लाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक (जीसीसी) श्रीमती प्रेरिता बाहेती मध्यप्रदेश की प्रौद्योगिकी सफलता का प्रतिनिधित्व करेंगे और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्यमों को सक्षम बनाने में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेंगे।

इसके साथ ही हॉल 2 में स्टॉल नंबर क्1 पर मध्यप्रदेश के लिए एक विशेष एमपी पवेलियन स्थापित किया जाएगा, जिसमें राज्य के प्रमुख स्टार्टअप्स एवं कंपनियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पवेलियन में किंट्सुगी बिजनेस लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, थ्रीवे स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड, कॉमन स्कूल (कॉमनफाई वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड), एसए डिजिटल (ग्रोबोट्स), यंगोवेटर एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, Gradyn.ai और ज़ांगोह सहित कई प्रदर्शक शामिल होंगे। ये प्रदर्शक प्रौद्योगिकी, शिक्षा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स एवं उभरते क्षेत्रों में अपने अभिनव समाधानों का प्रदर्शन करेंगे, जिससे मध्यप्रदेश के तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूती मिलेगी।

अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा, सिल्वर स्टेट पार्टनर के रूप में टीआईई ग्लोबल समिट के साथ साझेदारी कर हम प्रसन्न हैं। भारत का प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता परिदृश्य अब महानगरों से आगे बढ़ रहा है। प्रगतिशील नीतियों, मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे तथा प्रतिभाओं की प्रचुरता के कारण मध्यप्रदेश स्टार्टअप्स, वैश्विक उद्यमों और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनकर उभर रहा है। टीआईई जैसे मंच सार्थक वैश्विक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं। यह साझेदारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करेगी, विस्तारयोग्य उद्यमिता को समर्थन देगी तथा मध्यप्रदेश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक बाजारों और निवेशकों से जोड़ेगी।

न्यूज ब्रीफ

रेल मंत्री ने किया पहली वंदे भारत स्लीपर का निरीक्षण

नई दिल्ली/ जीएनएस। गुवाहाटी से कोलकाता के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलने वाली है। शनिवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इसका निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बेहद बारीकी के साथ इस ट्रेन को देखा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से भी लगातार बात की। बीच-बीच में रुककर वह कपलिंक के पास लगाई गई शीट को भी देख रहे थे। इसके अलावा इंजन के पास पहुंचने के बाद उन्होंने रक्षा कवच के बारे में कुछ देर तक बातचीत की। इसके बाद वह ट्रेन के इंजन में भी गए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में गुवाहाटी और कोलकाता के बीच बहुप्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। बता दें कि 16 डिब्बों वाली इस ट्रेन की यात्री क्षमता 823 है। इसकी डिजाइन गति 180 किलोमीटर प्रति घंटा है। कुछ दिन पहले ही इसकी टेस्टिंग हुई थी। हालांकि फिलहाल इसकी रफ्तार 120-130 किलोमीटर प्रति घंटे ही रहेगी। यह असम और पश्चिम बंगाल के प्रमुख जिलों को कवर करेगी। दोनों राज्यों में इस साल चुनाव होने वाले हैं। वंदे भारत में थर्ड एसी का किराया भोजन सहित लगभग 2,300 रुपए, सेकंड एसी का लगभग 3,000 रुपए और फर्स्ट एसी का लगभग 3,600 रुपए होगा। ये किराए मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर तय किए गए हैं। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 11 डिब्बे थर्ड एसी, चार डिब्बे सेकंड एसी और एक डिब्बा फर्स्ट एसी शामिल हैं। कुल 823 सीटों में से 611 थर्ड एसी में, 188 सेकंड एसी में और 24 फर्स्ट एसी में हैं। इसकी अन्य सुविधाओं में बेहतर कुशनिंग के साथ एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए बर्थ। सुगम आवागमन के लिए वेस्टिब्यूल वाले ऑटोमैटिक दरवाजे, बेहतर सस्पेंशन और शोर कम करके बेहतर यात्रा आराम, स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (कवच), आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली और उच्च स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए कीटाणुनाशक तकनीक शामिल हैं। यह कीटाणुनाशक तकनीक 99.9 प्रतिशत रोगाणुओं को नष्ट कर देगी। इसी तकनीक का उपयोग वंदे भारत चेयर-कार संस्करण में भी किया जा रहा है।

गोडसे ने गांधी जी को एक बार मारा था, लेकिन... केंद्र पर क्यों भड़के कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार द्वारा जी राम जी परियोजना को लागू करने पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करके महात्मा गांधी की दूसरी हत्या कर दी है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस पार्टी देश व्यापी प्रदर्शन करने की योजना बना रही है। इसी सिलसिले में शनिवार को राजधानी बेंगलुरू में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी की पहली हत्या गोडसे ने की थी। यह सरकार उनकी दूसरी हत्या कर रही है। उन्हें इतना प्रतिशोध नहीं लेना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में शुरू की गई इस योजना को संविधान के निर्देशों पर बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य गरीबों, छोटे किसानों और ग्रामीण मजदूरों के लिए काम, शिक्षा और सम्मान के अधिकार को सुरक्षित करना था। सिद्धारमैया ने कहा, बीस साल पहले, जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने निर्देशक सिद्धांतों के तहत कई अधिकार लागू किए थे, जिनमें काम करने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और अन्य अधिकार शामिल थे। इन अधिकारों का उद्देश्य गरीबों और छोटे किसानों को लाभ पहुंचाना और आम जनता के लिए इन्हें उपयोगी बनाना था। अब केंद्र सरकार ने एक नया कानून लाकर इसे विकसित भारत ग्राम योजना से बदल दिया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो यात्रियों का जमकर हंगामा, पूर्णिया की फ्लाइट बार-बार रद होने से भड़के लोग

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) हवाई अड्डे पर शनिवार को उस समय तनावपूर्ण हालात बन गए, जब इंडिगो की दिल्ली से पूर्णिया जाने वाली उड़ान में लगातार देरी और रद होने से यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज यात्रियों ने एयरलाइन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और बोर्डिंग काउंटर पर हंगामा किया।

यात्रियों के अनुसार, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 9076 पिछले दो दिनों से बाधित चल रही है। शुक्रवार को उड़ान रद होने के बाद यात्रियों ने किसी तरह अपने टिकट रिशेड्यूल कराए थे, लेकिन शनिवार को भी उड़ान तय समय पर रवाना नहीं हो सकी। लगातार दूसरे दिन यात्रा प्रभावित होने से यात्रियों और ग्राउंड स्टाफ के बीच तीखी बहस देखने को मिली। हंगामे के दौरान यात्रियों ने एयरलाइंस पर गुमराह करने के आरोप लगाए। यात्रियों का कहना है कि पहले खराब मौसम और कम दृश्यता को देरी का कारण बताया गया, जबकि बाद में ग्राउंड स्टाफ ने पायलट की अनुपलब्धता की जानकारी दी। देरी के कारणों में एयरलाइंस द्वारा सही जानकारी नहीं देने से यात्रियों का आक्रोश और बढ़ गया।

इंडिगो की सफाई और परिचालन संकट- इधर इंडिगो ने शनिवार सुबह अपने आधिकारिक इंटरनेट मीडिया हैंडल पर एक एडवाइजरी जारी कर यात्रियों को आगाह किया था कि कोहरे और कम दृश्यता के चलते कई उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। एयरलाइन इस समय पहले से ही गंभीर परिचालन चुनौतियों का सामना कर रही है।

गौरतलब हो कि दिसंबर की शुरुआत में पायलटों के लिए ड्यूटी और विश्राम से जुड़े नए नियम (एफडीटीएल) लागू होने के बाद एक ही दिन में करीब 1,600 उड़ानें रद हुई थीं। 10 दिसंबर से शुरू हुए कोहरे के मौसम के बाद से उड़ान परिचालन लगातार प्रभावित हो रहा है।

आधिकारिक तौर पर फॉग विंडो घोषित- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 10 दिसंबर से 10 फरवरी की अवधि को आधिकारिक तौर पर फॉग विंडो घोषित किया है। इस दौरान कम दृश्यता के कारण उड़ान संचालन में बाधाएं आती हैं, लेकिन बार-बार उड़ानों के रद होने से एयरलाइन की प्रबंधन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दूसरी ओर इस दौरान शनिवार को इस घटना को लेकर इंटरनेट मीडिया पर यात्रियों ने अपनी आपबीती साझा करते हुए एयरलाइन के प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कई यूजर्स ने एयरपोर्ट के बोर्डिंग काउंटर पर हो रहे हंगामे और यात्रियों की एयरलाइन स्टाफ के साथ तीखी बहस के वीडियो भी पोस्ट किए हैं।

इसमें मिरर पूर्णिया नाम के हैंडलर ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, इंडिगो ने फिर कैंसिल की दिल्ली से पूर्णिया की फ्लाइट, एयरपोर्ट पर यात्रियों का फूटा गुस्सा, जमकर काटा बवाल।

तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी 'पुरानी पेंशन'- सीएम

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकारी कर्मचारियों को लेकर तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को एक नई योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद सुनिश्चित पेंसन की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस योजना से पुरानी पेंशन योजना जैसे लाभ मिलेंगे। सरकार ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को मिले अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार कर्मचारियों के 10 प्रतिशत योगदान के साथ ही पेंशन फंड में जरूरी अतिरिक्त धनराशि देगी। इस योजना के तहत पेंशनभोगियों के लिए सरकारी कर्मचारियों के समान ही हर छह महीने में महंगाई भत्ते को बढ़ाया जाएगा। पेंशनभोगियों की मृत्यु होने पर पेंशन राशि का 60 प्रतिशत हिस्सा मृतक के नामांकित व्यक्ति को पारिवारिक पेंशन के रूप में दिया जाएगा। अगर किसी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है, तो सेवा की अवधि को ध्यान में रखते हुए अधिकतम 25 लाख रुपये तक दिए जाएंगे।

बिहार की महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी कर फंसे गिरधारी लाल, मुजफ्फरपुर कोर्ट में परिवाद दर्ज

मुजफ्फरपुर/ जीएनएस। बिहार की बेटियों पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में उत्तराखंड सरकार की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू के विरुद्ध अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम (पश्चिम) के कोर्ट में शनिवार को परिवाद किया गया है।

यह परिवाद सदर थाना के लहलादपुर पताही निवासी अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने किया है। कोर्ट ने परिवाद को सुनवाई पर रखा है। इसके लिए 12 जनवरी की तिथि निर्धारित की गई है। परिवाद में अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने कहा कि दो और तीन जनवरी को इंटरनेट मीडिया पर गिरधारी लाल साहू का बयान प्रसारित हुआ।

इसमें कहा गया कि बिहार में 20-25 हजार रुपये में लड़कियां मिल जाती हैं। बिहार से लड़कियां लेकर आएंगे। आरोपित ने जानबूझकर पूरे देश में उन्माद व उपद्रव फैलाने का कार्य किया है। स्त्री समाज की लज्जा-भंग करने का कार्य किया है।

उमर खालिद और शरजील इमाम को मिलेगी बेल? दिल्ली दंगों के केस में 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े साजिश के मामले में आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम समेत अन्य की जमानत याचिकाओं पर 5 जनवरी को अपना फैसला सुनाएगा।

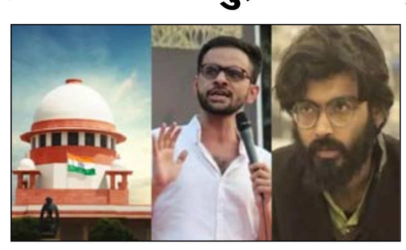

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ इस मामले में निर्णय सुनाएगी। शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर को इन आरोपियों की अलग-अलग जमानत याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलीलें पेश कीं, जबकि आरोपियों की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंहवी, सिद्धार्थ दवे, सलमान खुर्शीद और सिद्धार्थ लूथरा ने पक्ष रखा।

उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत तथा तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली पुलिस का आरोप है कि ये आरोपी फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के कथित मास्टरमाइंड थे। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

यह हिंसा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के खिलाफ हो रहे व्यापक प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी।

भारत को हमारा अटूट समर्थन; पाकिस्तान की धरती से एस जयशंकर के नाम खुला पत्र, एक चेतावनी भी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत-पाकिस्तान के साथ शत्रुतापूर्ण बलूच नेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए भारत को आगाह किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को लिखे एक खुले पत्र में उन्होंने चेतावनी दी है कि अगले कुछ महीनों के भीतर चीन बलूचिस्तान के इलाके में अपनी सेना तैनात कर सकता है। उन्होंने इसे भारत और बलूचिस्तान दोनों की सुरक्षा के लिए एक अकल्पनीय खतरा बताया है।

अपने पत्र में उन्होंने ऐसी परिस्थिति में भारत को पूर्ण समर्थन देने की बात कही है। मीर बलूच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2025 में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया, वह क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति भारत के साहस को दर्शाता है। उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों और संसद को नए साल 2026 की शुभकामनाएं देते हुए भारत और बलूचिस्तान के सदियों पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक रिश्तों का जिक्र किया। बलूच नेता का सबसे गंभीर दावा चीन और पाकिस्तान के बढ़ते सैन्य गठजोड़ को लेकर है।

उन्होंने पत्र में लिखा, अगर बलूच रक्षा बलों को मजबूत नहीं किया गया, तो चीन अगले कुछ महीनों में बलूचिस्तान की धरती पर अपने सैनिक उतार सकता है। पाकिस्तान और चीन मिलकर CPEC (चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा) को अंतिम चरण में ले जा रहे हैं, जो स्थानीय लोगों की मर्जी के बिना उन पर थोपा जा रहा है। बलूचिस्तान में चीनी सेना की मौजूदगी सीधे तौर पर भारत की सुरक्षा और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती पेश करेगी।

मई 2025 में पाकिस्तान से अपनी आजादी का ऐलान करने वाले बलूच नेताओं ने अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करने की योजना बनाई है। मीर बलूच ने घोषणा की कि रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान 2026 के पहले हफ्ते में ग्लोबल डिप्लोमैटिक वीक मनाएगा।

'Rx' लिखने वाले आरडीएक्स लेकर घूम रहे, राजनाथ सिंह ने किसे बताया देश के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली/ जीएनएस। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश में पढ़े लिखे लोगों के रास्ता भटकने और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने को लेकर गहरी चिंता जताई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त लोग भी समाज विरोधी और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं जो कि बड़ा संकट बन सकता है। 10 नवंबर को लालकिला के पास हुए बम धमाके का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस हमले में शामिल लोग डॉक्टर थे। उदयपुर में भूपाल नोबल्स यूनिवर्सिटी के 104वें स्थापना दिवस के मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि वाइट कॉर टेररिजम देश के लिए खतरे की घंटी है।

उन्होंने कहा, जिन लोगों को अपने पर्चे में 'Rx' लिखना चाहिए वे आरडीएक्स लेकर घूम रहे हैं। ऐसे में हमें नैतिकता और चरित्र निर्माण पर ध्यान देने की जरूरत है। शिक्षा का मतलब केवल प्रोफेशनल फील्ड में सफलता नहीं होनी चाहिए बल्कि नैतिक और मानवीय चरित्र के स्तर पर भी मजबूत करना होना चाहिए। बता दें कि लालकिला विस्फोट के मामले में जांच के बाद पता चला कि यह आतंक का वाइट कॉलर मॉड्यूल है।

एमडी ड्रग्स के साथ 2 पुरुष और 1 महिला आरोपी गिरफ्तार, 20.35 ग्राम मादक पदार्थ जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। क्राइम ब्रांच टीम ने कार्रवाई करते हुए एमडी ड्रग्स के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो पुरुष और एक महिला शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से करीब 20.35 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 2 लाख 4 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर शहर में मादक पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़ी गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा लगातार गोपनीय सूचना संकलन कर संदिग्धों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली, जिसके आधार पर शहर के स्कीम नंबर 134 क्षेत्र में पानी की टंकी के पास संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखी गई।

पुलिस को मौके पर एक सफेद रंग की बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़ी दिखाई दी, जिसमें कुछ लोग बैठे थे। जैसे ही आरोपियों ने पुलिस वाहन को देखा, वे कार सहित मौके से फरार होने का प्रयास करने लगे। क्राइम ब्रांच टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया और जांच की।

कार में दो पुरुष और एक महिला सवार मिले। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम इरफान शेख, निवासी एमआईजी कॉलोनी इंदौर, और सरफराज खान, निवासी खजराना इंदौर, बताए। तीसरी आरोपी एक महिला है। विधिवत तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से 20.35 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी तथा एक बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार जब्त की गई।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अवैध लाभ अर्जित करने की नीयत से सस्ते दामों में मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को महंगे दामों पर बेचने की बात कबूल की है। पुलिस के अनुसार आरोपी ड्राइवरी का काम करते हैं और दसवीं तक ही पढ़े-लिखे हैं।

क्राइम ब्रांच द्वारा तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 02/2026 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है। आरोपियों से जब्त एमडी ड्रग्स और वाहन सहित कुल मशरूका करीब 7 लाख रुपये का बताया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही है और यह जांच की जा रही है कि इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

जल त्रासदी पर सियासत गरमाई,उमंग सिंघार बोले-CAG ने 6 साल पहले चेताया था, सरकार सोती रही, 15 जानें गईं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में दूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत के बाद मध्यप्रदेश की जल आपूर्ति व्यवस्था एक बार फिर कठघरे में है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस मामले को लेकर सरकार पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इंदौर और भोपाल में गंदे पानी की सप्लाई को लेकर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने 2019 में ही गंभीर चेतावनी दी थी, लेकिन सरकार ने न रिपोर्ट को गंभीरता से लिया और न ही सुधार किए। उमंग सिंघार ने ट्वीट कर कहा कि गंदे पानी की वजह से जानें जाना किसी हादसे का नतीजा नहीं, बल्कि सरकारी लापरवाही और भ्रष्टाचार का परिणाम है। नेता प्रतिपक्ष ने याद दिलाया कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2004 में एशियन डेवलपमेंट बैंक से भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के जल प्रबंधन के लिए 200 मिलियन डॉलर (तब करीब 906 करोड़ रुपये) का कर्ज लिया था। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य हर नागरिक को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना था। लेकिन कर्ज लेने के करीब 15 साल बाद 2019 में आई CAG रिपोर्ट ने इस पूरे प्रोजेक्ट को असफल और भ्रष्टाचार से ग्रस्त बताया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि छ्त्र की रिपोर्ट के मुताबिक इंदौर में केवल 4 जोन और भोपाल में सिर्फ 5 जोन में रोज पानी की सप्लाई हो रही थी।दोनों शहरों के 9.41 लाख परिवारों में से महज 5.30 लाख को ही नल कनेक्शन मिल सके। इपलाइन लीकेज की शिकायतों पर नगर निगम 22 से 182 दिन तक लगाता रहा। 2013 से 2018 के बीच लिए गए 4,481 पानी के नमूने पीने योग्य नहीं पाए गए, लेकिन इन पर की गई कार्रवाई का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। लाखों लोगों तक पहुंचा गंदा पानी- नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि छ्त्र की स्वतंत्र जांच में 54 में से 10 पानी के नमूने दूषित पाए गए, जिनमें गंदगी और मल कोलिफॉर्म बैक्टीरिया मौजूद था। इसके चलते भोपाल के 3.62 लाख और इंदौर के 5.33 लाख कुल 8.95 लाख लोगों को गंदा पानी सप्लाई हुआ। इसी अवधि में स्वास्थ्य विभाग ने 5.45 लाख जलजनित बीमारियों के मामले दर्ज किए। पानी गायब, जवाबदेही नदारद- नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि गैर-राजस्व पानी 30 से 70 प्रतिशत तक है, यानी इतना पानी कहां जा रहा है–किसी को पता नहीं। नियमित जल ऑडिट नहीं होने से बर्बादी और चोरी पर लगाम नहीं लग पाई। इसके अलावा दोनों शहरों में पानी के टैरिफ की वसूली भी नहीं हो सकी और नगर निगम पर 470 करोड़ रुपये का बकाया चढ़ गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि छ्त्र के मुताबिक, भोपाल में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन केवल 9 से 20 लीटर और इंदौर में 36 से 62 लीटर पानी की आपूर्ति हो रही थी, जो तय मानकों से काफी कम है। वहीं, ओवरहेड टैंकों की नियमित सफाई भी नहीं की जा रही थी।

कलेक्टर ने भागीरथपुर में पीकर देखा पानी, रहवासी बोले-छोटी गलियों में नहीं आते टैंकर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दूषित पानी से डरे भागीरथपुरा के रहवासियों में विश्वास पैदा करने के लिए अफसर अब बस्तियों में जाकर उनके सामने पानी पीकर दिखा रहे है। शनिवार सुबह कलेक्टर शिवम वर्मा बस्ती पहुंचे और पानी बांट रहे टैंकरों का पानी पिया और उसकी क्वालिटी देखी। सुबह दस बजे कलेक्टर अफसरों की टीम के साथ बस्ती पहुंचे। रहवासियों ने उनके सामने शिकायतों की झड़ी लगा दी। किसी ने कहा कि खाली प्लॉटों पर कचरा साफ नहीं होता तो किसी ने संकरी गलियों में पानी के टैंकर नहीं आने की परेशानी बताई। कलेक्टर ने निगम अफसरों से कहा कि वे टैंकरों में बड़े पाइप लगवा कर पानी संकरी गलियों में पहुंचाए। वे मृत लोगों के परिवार वालों से भी मिले। कलेक्टर ने रहवासियों से कहा कि फिलहाल वे नर्मदा लाइन या बोरिंग के बजाए टैंकरों से बांटे जा रहे पानी का ही उपयोग करे। वे करीब एक घंटा बस्ती में रुके।

नल के पानी से तौबा,ग्राहकों का भरोसा जीतने के लिए अब मिनरल वॉटर से बन रही चाय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से पंद्रह लोगों की मौत होने के बाद अब वहां के रहवासी नल के पानी का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। हालांकि रोज सुबह नल आते हैं, लेकिन लोग पानी नहीं भरते। नगर निगम ने इसके विकल्प के तौर पर इलाके में टैंकर लगा रखे हैं। वहीं दूसरी ओर, बस्ती के चाय दुकानदारों की ग्राहकी भी इस संकट के कारण काफी कम हो गई थी। ग्राहकों का विश्वास फिर से जीतने के लिए दुकानदारों ने चाय बनाने के लिए मिनरल वॉटर का उपयोग शुरू कर दिया है। वे खरीदा हुआ बोतलबंद पानी केतली में डालकर गर्म कर रहे हैं और फिर उसमें दूध मिलाकर चाय तैयार कर रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि उनकी दुकानों पर बस्ती के लोगों के अलावा पोलोग्राउंड इंडस्ट्री की तरफ जाने वाले लोग भी चाय-पोहा खाने रुकते हैं, लेकिन बीते एक सप्ताह से ग्राहकी में गिरावट आई है। लोगों को डर है कि भागीरथपुरा का पानी पीकर वे भी बीमार न पड़ जाएं। दुकानदार सूरज वर्मा ने बताया कि पहले पानी की दो-तीन पेटियां बिकती थीं, लेकिन अब सप्ताह भर से इनकी खपत तिगुनी हो गई है। बस्ती के लोग भी दुकानों से पानी खरीदकर ले जा रहे हैं। होटल पर नाश्ता करने आने वाले पुराने ग्राहकों को भी दुकानदार बोतलबंद पानी के सेवन की ही सलाह दे रहे हैं। सूरज के अनुसार, उन्होंने चाय में भी बोतलबंद पानी का इस्तेमाल शुरू किया है, जिसे देखकर बस्ती की अन्य दुकानों ने भी यही तरीका अपनाया है।

नववर्ष का तोहफाः इंदौर क्राइम ब्रांच ने 1.20 करोड़ कीमत के 326 गुम मोबाइल लौटाकर लोगों के चेहरों पर बिखेरी खुशियां

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष की शुरुआत इंदौर पुलिस ने आमजन के लिए बड़ी राहत और खुशखबरी के साथ की है। क्राइम ब्रांच इंदौर ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपये कीमत के 326 गुम मोबाइल फोन उनके वास्तविक आवेदकों को सुपुर्द किए हैं। यह कार्रवाई सिटीजन कॉप एप्लीकेशन पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई, जिससे नए साल में सैकड़ों लोगों को उनका खोया हुआ कीमती सामान वापस मिल सका।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में क्राइम ब्रांच द्वारा संचालित सिटीजन कॉप एप्लीकेशन पर वर्ष 2025 के दौरान प्राप्त गुम मोबाइल संबंधी शिकायतों का निराकरण करते हुए यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई है। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल टीम ने तकनीकी जांच और लगातार पतारसी के माध्यम से इन मोबाइल फोन को न केवल इंदौर, बल्कि मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों और देश के अन्य राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र से बरामद किया है।

बरामद किए गए मोबाइल फोन में कई महंगे और ब्रांडेड हैंडसेट शामिल हैं। इनमें आईफोन, वन प्लस, सैमसंग, रेडमी, विवो, ओप्पो, रियलमी, मोटोरोला सहित अन्य प्रमुख कंपनियों के मोबाइल फोन हैं, जिनकी बाजार कीमत लाखों रुपये में आंकी गई है। कुल 326 मोबाइल फोन की बरामदगी कर उन्हें संबंधित आवेदकों को सौंपा गया, जिससे लोगों का पुलिस व्यवस्था पर भरोसा और मजबूत हुआ है।

इंदौर पुलिस क्राइम ब्रांच द्वारा संचालित सिटीजन कॉप एप्लीकेशन आमजन के लिए एक सुलभ और उपयोगी डिजिटल माध्यम है, जिसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप के माध्यम से नागरिक न केवल प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं, बल्कि किसी भी घटना की ऑनलाइन शिकायत, आपराधिक गतिविधियों की सूचना और गुम या चोरी हुई वस्तुओं की शिकायत भी सीधे दर्ज करा सकते हैं।

गुम मोबाइल की शिकायत दर्ज करने पर आवेदक को ऑनलाइन शिकायत क्रमांक और रसीद प्राप्त होती है, जिसका उपयोग वह अपनी सिम बंद कराने या नई सिम लेने के लिए कर सकता है। इस ऑनलाइन प्रक्रिया से अब लोगों को थाने या अन्य कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। साइबर सेल टीम द्वारा की गई तकनीकी पतारसी के चलते 326 गुम मोबाइल फोन खोजकर उनके मालिकों तक पहुंचाए गए हैं, जिससे आमजन में ऑनलाइन शिकायत प्रणाली के प्रति विश्वास बढ़ा है। पुलिस का कहना है कि यदि मोबाइल गुम होने के बाद बंद हो जाता है, खराब हो जाता है या उसका उपयोग नहीं किया जाता, तो उसकी सर्चिंग संभव नहीं हो पाती। ऐसे मामलों में मोबाइल ट्रेस करना कठिन हो जाता है। इसके बावजूद, पुलिस लगातार प्रयास कर रही है कि अधिक से अधिक गुम मोबाइल खोजे जा सकें।

इंदौर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे सिटीजन कॉप एंड्रॉयड एप्लीकेशन का अधिक से अधिक उपयोग करें और किसी भी आपराधिक गतिविधि, घटना या गुम वस्तु की शिकायत घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से पुलिस तक पहुंचाएं। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि पुलिस को भी त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने में सहायता मिलेगी। नववर्ष पर इंदौर पुलिस की यह पहल निश्चित रूप से जनता और पुलिस के बीच भरोसे को और मजबूत करने वाली साबित हुई है।

गंदे पानी की समस्या पर प्रशासन सख्त, 48 घंटे में समाधान के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गंदे पानी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उसके त्वरित समाधान के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट और महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने आज जिला कलेक्टर श्री शिवम वर्मा तथा नगर निगम के सभी अपर आयुक्तों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सामने आ रही गंदे पानी की समस्या पर विस्तार से चर्चा की गई और इसके समाधान के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तय की गई।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने बैठक के दौरान कहा कि कठिन समय में जनता के साथ खड़े होकर उनकी समस्याओं का समाधान करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में मध्यप्रदेश के सभी महापौरों और अधिकारियों की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुरूप पूरे शहर में व्यापक सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के दौरान जहां-जहां गंदे पानी की समस्या सामने आएगी, वहां 48 घंटे के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही नागरिकों को जागरूक करने और संभावित प्रभावित क्षेत्रों में समय रहते सुधारात्मक कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार कार्य-विभाजन करते हुए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई और तत्काल कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में भागीरथपुरा क्षेत्र में नगर निगम की टीमें सुबह से ही मौके पर पहुंचकर नागरिकों को जागरूक करने के साथ-साथ आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही कर रही हैं। बैठक में जल कार्य प्रभारी श्री अभिषेक शर्मा (बबलू), अपर आयुक्त श्री अर्थ जैन, श्री अभय राजनगांवकर, श्री आकाश सिंह, श्री मनोज पाठक, श्री नरेंद्र नाथ पांडे, श्री देवघर दरवाई और कार्यपालन यंत्री श्री अश्विनी जनवदे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहरवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित जल उपलब्ध कराने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समस्या का समाधान तय समय-सीमा में किया जाएगा।

नो एंट्री उल्लंघन पर इंदौर पुलिस की सख्ती जारी, 8 भारी वाहनों पर कार्रवाई कर 40 हजार रुपये समन शुल्क वसूला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में यातायात को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा-निर्देशन में यातायात प्रबंधन को मजबूत करने के साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 2 जनवरी की सुबह से 3 जनवरी की सुबह तक नो एंट्री नियमों का उल्लंघन कर शहर में भारी वाहनों को प्रवेश कराने वाले वाहन चालकों के खिलाफ इंदौर पुलिस ने विशेष कार्रवाई की। इस दौरान कुल 8 भारी वाहनों को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए 40 हजार रुपये का समन शुल्क वसूल कर शासन के खाते में जमा कराया गया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को सख्त हिदायत दी कि वे प्रशासन द्वारा तय किए गए यातायात नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन करें। पुलिस का कहना है कि नो एंट्री का उल्लंघन न केवल यातायात बाधित करता है, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकता है।

इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए आगे भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि शहरवासियों को सुरक्षित और सुचारू यातायात सुविधा मिल सके।

दिलीप यादव को हटाने के बाद क्षितिज सिंघल बने इंदौर नगर निगम आयुक्त, शासन का सख्त संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा दूषित पानी कांड के बाद इंदौर नगर निगम में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। जनस्वास्थ्य से जुड़े इस गंभीर मामले में लापरवाही और व्यवस्था में बड़ी चूक को आधार बनाते हुए तत्कालीन नगर निगम आयुक्त दिलीप यादव को उनके पद से हटा दिया गया है। इसके बाद शासन ने इंदौर नगर निगम की कमान भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी क्षितिज सिंघल को सौंप दी है। यह निर्णय साफ संकेत देता है कि अब जनहित और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

नवनियुक्त नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और मध्यप्रदेश कैडर से संबंधित हैं। मूल रूप से राजस्थान निवासी क्षितिज सिंघल ने इंजीनियरिंग में बी.ई. ऑनर्स की डिग्री हासिल की है, जिससे उनके प्रशासनिक निर्णयों में तकनीकी समझ और आधुनिक सोच की झलक मिलती है। अपने अब तक के सेवा काल में उन्होंने राज्य के कई महत्वपूर्ण जिलों और विभागों में जिम्मेदार पदों पर कार्य किया है।

क्षितिज सिंघल सिवनी जिले के कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रह चुके हैं, जहां उन्होंने प्रशासनिक सख्ती, अनुशासन और जनहित को प्राथमिकता देने वाली कार्यशैली से अलग पहचान बनाई। इसके अलावा वे मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक जैसे अहम पद पर भी पदस्थ रहे हैं, जहां उन्होंने बड़े प्रशासनिक ढांचे के संचालन, निगरानी और सुधारात्मक निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इंदौर नगर निगम जैसे बड़े और संवेदनशील शहरी निकाय की जिम्मेदारी संभालने के बाद उनसे विशेष रूप से यह अपेक्षा की जा रही है कि वे जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करेंगे, निगम की जवाबदेही तय करेंगे और प्रशासनिक अनुशासन को और मजबूत बनाएंगे।

भागीरथपुरा क्षेत्र में रिंग सर्वे एवं फॉलोअप सर्वे का कार्य लगातार जारी

कलेक्टर शिवम वर्मा एवं मिशन संचालक स्वास्थ्य डॉ. सलोनी सिडाना ने क्षेत्र में पहुंचकर स्थिति का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र हुई जलजनित घटना के पश्चात क्षेत्र में रहवासियों के रिंग सर्वे एवं फॉलोअप सर्वे का कार्य लगातार जारी है। इस फॉलोअप सर्वे के माध्यम से घर-घर जाकर स्थिति का जायजा लिया जा रहा है और नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की समझाईश भी दी जा रही है। स्थिति का जायजा लेने के लिये आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा और मिशन संचालक स्वास्थ्य डॉ. सलोनी सिडाना भी क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही गतिविधियों की जानकारी ली, नागरिकों से चर्चा की और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के बारे में समझाया।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा आज सुबह ही नगर निगम, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य, पीएचई के अमले के साथ क्षेत्र में पहुंचे। बताया गया कि स्वयंसेवी संस्थाओं के 200 से अधिक सदस्यों के माध्यम से रिंग सर्वे कराया जा रहा है। नागरिकों को टेंकर के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्हें समझाईश दी जा रही है कि पानी उबाल कर पीये, स्वच्छता का ध्यान रखें, बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक को दिखाये।

इसी तरह आज मिशन संचालक स्वास्थ्य डॉ. सलोनी सिडाना ने भी प्रभावित क्षेत्र भागीरथपुरा का भ्रमण किया। उन्होंने शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भागीरथपुरा में कार्यरत स्टॉफ, इलाज, रेफरल मेकेनिजम, औषधियों की उपलब्धता, रिकार्ड संधारण को देखा एवं उन्होंने सभी व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इलाज और व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जायेगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हासानी ने बताया कि इंदौर में आज 03 जनवरी 2026 को स्वास्थ्य विभाग ने एक मजबूत रणनीति को अपनाते हुए फील्ड में 16 टीम लगाई, हर टीम में 09 मेंबर है, जिसमें मेडिकल ऑफिसर, नर्सिंग ऑफिसर, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाईजर और एन.जी.ओ. हैं। क्षेत्र में रिंग सर्वे एवं फॉलोअप सर्वे लगातार चल रहा है, स्वास्थ्य विभाग द्वारा पानी को पूर्णतया सुरक्षित रखने के लिए क्लोरीवेट ड्रॉप वितरित किए जाएंगे। दल के सदस्य मरीज को दवाई का डोज पूरा लेने का आग्रह कर रहे हैं तथा धात्री माताओं को यह समझाईश दी जा रही है कि 06 माह तक के बच्चों को केवल और केवल मां का दूध ही पिलाएं। भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त से पीड़ित व्यक्ति जो अब स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं, उनसे यह अनुरोध किया गया है कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद वह निर्धारित डोज पूरा करें। हल्के और मध्यम लक्षणों से पीड़ित व्यक्तियों से भी अनुरोध किया गया है कि वह भी दवाओं का अपना डोज पूरा करे, बीच में डोज छोड़ने पर संक्रमण पुनः हो सकता है। डॉ. हासानी ने बताया कि आज कुल 5079 घरों का सर्वे किया गया जिसमें 25395 लोगों की जाँच की गई, जिसमें 65 हल्के लक्षणों वाले मरीज पाए गए, जिनका वहीं पर प्राथमिक उपचार किया गया।

पालदा में आसमान में छाया काला धुआं, बाल-बाल बचे हजारों कर्मचारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के पालदा औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार शाम उस समय हड़कंप मच गया जब एक स्क्रैप गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। समता नगर में स्थित इस गोदाम के मालिक नसबी मोहम्मद समीर बताए जा रहे हैं। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने लगभग 10 हजार लीटर पानी और इतनी ही मात्रा में फोम का इस्तेमाल किया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सका। हालांकि, इस दौरान पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। दमकल विभाग के कर्मियों को ऑपरेशन के दौरान भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण है, जिसके कारण सड़कें बेहद संकरी हो गई हैं। दमकल के वाहनों को गोदाम के मुख्य द्वार तक पहुंचने में काफी पसीना बहाना पड़ा। शुरुआत में बाहर से ही पाइप बिछाकर पानी डालने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः खड़ी गाड़ियों और अन्य बाधाओं को हटाकर एक वाहन अंदर भेजा जा सका, जिससे आग बुझाने में काफी देरी हुई।

प्रतिबंधित चाइनीज़ मांझे के खिलाफ इंदौर पुलिस का जनजागरूकता अभियान, बच्चों व नागरिकों के साथ निकाली रैली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्रतिबंधित चाइनीज़ मांझे की खरीद-फरोख्त और उपयोग पर रोक लगाने के साथ-साथ इसके दुष्परिणामों को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार अवैध रूप से चाइनीज़ मांझा बेचने और उपयोग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के साथ-साथ नागरिकों को इसके खतरों से अवगत कराने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-02 और जोन-04 के मार्गदर्शन में थाना कनाड़िया और थाना छत्रीपुरा पुलिस द्वारा 3 जनवरी 2026 को जनजागरूकता कार्यक्रम और रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय नागरिकों और बच्चों के साथ हाथों में जागरूकता संदेशों वाली तख्तियां लेकर रैली निकाली और लोगों से चाइनीज़ मांझा का उपयोग न करने की अपील की।

रैली के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने नागरिकों को बताया कि चाइनीज़ मांझा, जो सिंथेटिक या नायलॉन से बना होता है, न केवल पतंगबाजी के दौरान खतरनाक है, बल्कि यह निर्दोष पक्षियों के लिए जानलेवा साबित होता है। इसके अलावा यह राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और बच्चों के लिए गंभीर चोटों और कई मामलों में मृत्यु का कारण भी बन चुका है। साथ ही यह पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचाता है।

पुलिस ने नागरिकों से भावुक अपील करते हुए कहा कि किसी की खुशी किसी और के जीवन की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। पुलिस ने लोगों से आग्रह किया कि वे चाइनीज़ मांझा का प्रयोग न करें और पारंपरिक सूती धागे से बनी पतंग की डोर का ही उपयोग करें।

इंदौर पुलिस ने यह भी अपील की कि यदि कहीं भी चाइनीज़ मांझा बेचा जा रहा हो, भंडारित किया जा रहा हो या उसका उपयोग होता दिखाई दे, तो तुरंत स्थानीय पुलिस को या क्राइम वॉच हेल्पलाइन नंबर 7049108283 पर सूचना दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि समाज के ऐसे गैर-जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, ताकि शहर को सुरक्षित और संवेदनशील बनाया जा सके।

संघ शताब्दी वर्ष को लेकर, 28 जनवरी को सिंगोली में विशाल हिन्दू सम्मेलन

5100 कलश के साथ निकलेगी भव्य शौभायात्रा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संघ शताब्दी वर्ष को लेकर नगर सिंगोली में दिनांक 28 जनवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन को लेकर आज दिनांक 2 जनवरी को एक आवश्यक वृहद बैठक स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित हुई।

जिसमे संघ के वरिष्ठ पदाधिकारीयों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में जिला कार्यवाह पवन जी सज्जन,खण्ड कार्यवाह श्री लाल जी गूर्जर,खण्ड हिन्दू सम्मेलन संयोजक रमेश जी प्रजापत, मन्दसौर विभाग सेवा प्रमुख, हिन्दू सम्मेलन के नगर संयोजक निशांत जी जोशी ने सम्मेलन को लेकर सभी विषयों पर चर्चा की हिन्दू सम्मेलन को लेकर नगर के हिन्दू समाज में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला पुरुष वर्ग के साथ साथ मातृशक्ति ने भी बढ़-चढ़कर बैठक में हिस्सा लिया।आज आयोजित बैठक में सम्मेलन को लेकर व्यवस्थाओं हेतु अलग लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई बैठक के

पश्चात ढोल के साथ विशाल रैली के रुप में तहसील कार्यालय के सामने पहुंच कर हिन्दू सम्मेलन कार्यालय का शुभारंभ भी संघ के वरिष्ठ पदाधिकारीयों के द्वारा मोली बंध खोलकर किया गया।

हिन्दू सम्मेलन को लेकर जानकारी देते हुए नगर संयोजक निशांत जोशी ने बताया कि सम्मेलन वृहद हो इसको लेकर हिन्दू समाज उत्साहित हैं और इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई है। हिन्दू सम्मेलन से पहले दिनांक 14 जनवरी को विशाल प्रभातफेरी, दिनांक 15 जनवरी को चारभुजा नाथ मंदिर पर 56 भोग का आयोजन, दिनांक 22 जनवरी को एक हजार दुपहिया वाहनों की विशाल रैली, दिनांक 23 जनवरी को सायं काल विशाल धर्म ध्वजा रैली का कार्यक्रम रहेगा और दिनांक 28 जनवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन आयोजित हे जिसमे प्रातः 11 बजे से 5100 कलश के साथ हजारों की संख्या मे विशाल शौभायात्रा नगर में निकलेगी और उसके पश्चात धर्म सभा होगी और सभा के ठीक बाद समस्त हिन्दू परिवारो का स्नेह भोज कार्यक्रम स्थल गौतमालय भवन परिसर में रहेगा। सम्मेलन को लेकर नगर की जबरदस्त साज सज्जा की बात भी जोशी ने कही।

निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य उपाय सुनिश्चित करने हुई कार्यशाला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रम विभाग निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में एक और पहल करने जा रहा है। 'सेफ्टी प्रोटोकॉल' को बेहतर बनाने के लिए श्रम विभाग ने अब प्राइवेट बिल्डरों को भी तकनीकी मदद देने की पहल की है। म.प्र. श्रम विभाग के सचिव श्री रघुराज राजेंद्रन ने कहा कि 'नये श्रम कानून' में सोशल सिक्योरिटी कोड के तहत हर श्रमिक की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित किया गया है। निर्माण स्थल चाहे वो सरकारी हो या प्राइवेट; श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता और सबसे बड़ा कर्तव्य होना चाहिए। बीओसीडब्ल्यू 1996 के अधिनियम के अनुसार 'निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य उपाय' सुनिश्चित कराए जाने को लेकर आज 'अटलबिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान' में एक महत्वपूर्ण एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल' और श्रम विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी, निजी भवन निर्माता और प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। सचिव श्री रघुराज ने कहा के निर्माण स्थलों पर एक ऐसे जिम्मेदार व्यक्ति की नियुक्ति की जानी चाहिए, जिसे श्रमिकों की सुरक्षा से संबंधित अच्छी प्रैक्टिस और जानकारी हो। उन्होंने कहा कि बीओसीडब्ल्यू एक्ट में इसका प्रावधान है। इस बात की सूचना बोर्ड को देना अनिवार्य है।

प्रथम वक्ता भारतीय मानक ब्यूरो(बीआईएस) के संयुक्त संचालक श्री राहुल कुमार ने निर्माण स्थलों पर दुर्घटनाओं को रोकने, श्रमिकों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न व्यावहारिक और तकनीक पहलुओं पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने नए श्रमिकों को सुरक्षा मानकों को लेकर प्रशिक्षित करने और पुराने श्रमिकों के लिए रिफ्रेशर कोर्स आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण(पीपीई) पर भी विस्तार से बताया। जैसे- भवन निर्माण, फैक्ट्री, खदान, रासायनिक और विद्युत कार्य आदि के दौरान कैसी पीपीई का इस्तेमाल करना चाहिए। विभिन्न प्रकार के हेलमेट, मास्क, रेस्पिरेटर, दस्ताने, सेफ्टी गॉगल्स, सेफ्टी जूते, सेफ्टी जैकेट, इयर प्लग आदि के मानकों और उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। भारतीय मानकों (बीआईएस) और अंतरराष्ट्रीय मानकों(आईएसओ) पर भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

चार दिवसीय शीतकालीन संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री वर्धमान स्थानक वासी जैन श्रावक संघ एवं अखिल भारतीय सुधर्म जैन संघ मेवाड़ प्रांत के मार्ग दर्शन तथा तेजस मानक पारमार्थिक ट्रस्ट के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 41 बालक बालिकाओं ने बड़े ही उत्साह से ज्ञानार्जन किया। साथ ही स्थानीय महिला मंडल बहु मंडल की 31 सदस्याओं ने चार दिन तक 1 घंटे की क्लास अटेंड की शिविर में अध्यापन करवाने हेतु मेवाड़ शाखा की ओर से श्री राहुल जैन, सुश्री रितिका जैन गड़वारा, प्रियल जैन डूंगला से पधारे ओर बहुत ही सुंदर व प्रभावी तरीके अध्यापन करवाया अनेक बच्चों ने त्याग प्रत्याख्यान लिये सभी बालक बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए द्य श्रीसंघ अध्यक्ष प्रकाश नागौरी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सौभाग्य मल नागौरी, शांति लाल गांधी, प्रकाशचंद गांधी, दिलीप पिछोलिया, पारस गांधी, श्रेयांस नागौरी, सह मंत्री विनोद पितलिया,संघ प्रवक्ता नीरज गांधी,संजय गांधी व वरिष्ठ श्राविकाओं की गरिमामई उपस्थित मै चार दिवसीय संस्कार शिक्षण शिविर संपन्न हुआ।

दूषित पेयजल आपूर्ति संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाईन स्थापित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में नगरीय क्षेत्रों में दूषित पेयजल आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जिला स्तरीय हेल्पलाईन स्थापित की गई है। परियोजना अधिकारी शहरी विकास श्री पराग जैन ने बताया, कि यदि किसी को दूषित पेयजल आपूर्ति अथवा गंदे पानी की आपूर्ति से संबंधी समस्या हो, तो वह हेल्पलाईन नंबर 7697484769, 8109207374 पर सम्पर्क कर, अपनी समस्याएं एवं शिकायत दर्ज करवा सकते है। हेल्पलाईन पर प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को पेयजल स्त्रोतों तथा पाइपलाइन के संचालन संधारण संबंध में दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले की सभी नगरीय निकायों के जल जनित घटनाओं को रोकने के लिए नगरीय क्षेत्र में जल स्त्रोत, संग्रहण और शुद्ध जल वितरण के संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी श्री पराग जैन ने बताया कि कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जिले के सभी नगरी निकायों के सीएमओ को निर्देश दिए हैं कि वे जल स्त्रोतों की सफाई सभी जल स्त्रोतों की नियमित साफ सफाई सुनिश्चित करें, ताकि जल शुद्धता बनी रहे।

WTP फिल्टर बेड का संधारण- जल उपचार संयंत्र के फिल्टर बेड का नियमित संधारण करें और आवश्यकतानुसार एलम/क्लोरिन की मात्रा में शुद्धिकरण सुनिश्चित करें ।

उच्च स्तरीय टंकियों की सफाई- कलेक्टर ने निर्देश जारी किए हैं कि- निकाय क्षेत्र की सभी उच्च स्तरीय टंकियों की नियमित रूप से समय-समय पर सफाई की जाए और प्रत्येक टंकी पर सफाई की तिथि अंकित की जाए।

हैण्डपम्प/नलकूप की शुद्धता- नगरीय निकायों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि- सभी हैण्डपम्पो/नलकूपों

में ब्लीचिंग पाउडर या लिक्विड सोडियम हाइपोक्लोराईड का उपयोग कर पानी को जीवाणु रहित बनाया जाए।

कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को पेयजल पाइप लाइनों का नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने पाइप लाइनों (विशेषकर खुली नालियों या सिवर के पास से गुजरने वाली) पाइपलाइनो का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं ताकि लीकेज या दूषण रोका जा सके।

पानी की गुणवत्ता की शिकायतो का त्वरित निराकरण करें- कलेक्टर ने नगरीय निकायों को पानी के रंग या बदबू की शिकायतों पर तत्काल जल प्रदाय रोककर अन्य स्त्रोतों से जल आपूर्ति करने या शुद्ध जलप्रदाय की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने और 24 घंटे में ऐसी शिकायतों का निवारण करने के निर्देश भी दिए हैं।

शुद्ध पेयजल वितरण- शुद्ध पेयजल वितरण के लिए प्रभावी तकनीक का उपयोग कर ,जल शुद्धिकरण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश भी सभी नगरीय निकायों को दिए हैं।

नलिका लीकेज सुधार - पेयजल वितरण नलिकाओं के सभी लीकेज 24 घंटे के अंदर दुरुस्त करवाने के निर्देश भी नगरी निकायों को जारी किए गए हैं ।

कोलीफॉर्म जांच- पेयजल में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की नियमित जांच करवाने के निर्देश भी दिए गए हैं

नगरी निकायों को जल स्त्रोतों, ट्रीटमेंट प्लांट, टंकियों और वितरण नलिकाओं के अंतिम बिंदु से पानी के सेम्पल लेकर जांच करवाने और जांच का रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश भी सभी नगरी निकायों को कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं।

जिला प्रशासन जल जनित बीमारियों को रोकने और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आम जनता से अनुरोध है किया गया वे जल संरक्षण में सहयोग करें और जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें . कलेक्टर श्री चंद्रा ने जिले की सभी नगरी निकायों के सीएमओ को उक्त निर्देशों का का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर तीन दिवस में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित में पेयजल स्त्रोतों की साफ सफाई करवाने और नागरिकों को शुद्ध पेयजल का वितरण सुनिश्चित करने, जल टंकियों की नियमित साफ सफाई करवाने, पेयजल पाइपलाइन का नियमित रूप से संधारण करवाने के संबंध में सुझाव प्राप्त हुए थे। उक्त सुझावों पर नगरीय निकायों द्वारा पेयजल पाइप लाइनो का संधारण एवं सुधार कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। पेयजल टंकियों की साफ सफाई एवं जल शुद्धिकरण का कार्य भी किया जा रहा है।

उर्वरक वितरण व्यवस्था, 1 जनवरी 2026 से लागू हुई ई-विकास प्रणाली धार में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश की कृषि व्यवस्था को डिजिटल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 1 जनवरी 2026 से ÷उर्वरक वितरण हेतु ई-विकास प्रणाली को प्रदेशभर में लागू कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु श्री ज्ञानसिंह मोहनिया, उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला धार के निर्देशन में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिवस जिले की शासकीय एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ई-विकास प्रणाली के तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं द्वितीय दिवस जिले के निजी पंजीकृत फर्टिलाइज़र विक्रेताओं को नई उर्वरक वितरण प्रणाली के तहत कार्य करने की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि ई-विकास प्रणाली शासन की एक दूरदर्शी योजना है, जिसका उद्देश्य उर्वरक वितरण व्यवस्था में

पारदर्शिता लाना, किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना तथा कालाबाजारी एवं अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। पोर्टल की गहन तकनीकी ट्रेनिंग कृषि विभाग के श्री संतोष पाटीदार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी द्वारा ई-विकास पोर्टल की विस्तृत एवं व्यावहारिक तकनीकी ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के दौरान विक्रेताओं एवं अधिकारियों को उर्वरकों की ऑनलाइन स्टॉक एंट्री, बिक्री प्रक्रिया, किसान आधार / पहचान सत्यापन, रियल-टाइम डेटा अपलोड, रिपोर्ट जनरेट एवं निगरानी प्रणाली की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही संभावित तकनीकी समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की गई। किसानों को मिलेगा सीधा लाभ-अधिकारियों ने बताया कि ई-विकास प्रणाली लागू होने से जिले के किसानों को उचित दर पर सही मात्रा में उर्वरक, समय पर उपलब्ध होगा। डिजिटल निगरानी व्यवस्था से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उर्वरक केवल पात्र किसानों को ही वितरित हो तथा किसी भी प्रकार की फर्जी बिक्री या अवैध भंडारण पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। अनिवार्य होगा नई व्यवस्था का पालन-प्रशिक्षण में स्पष्ट किया गया कि ई-विकास प्रणाली का पालन सभी शासकीय संस्थाओं एवं उर्वरक विक्रेताओं के लिए अनिवार्य रहेगा। किसी भी प्रकार की लापरवाही, गलत प्रविष्टि या नियम उल्लंघन की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों से शासन की इस डिजिटल पहल को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग करने की अपील की तथा कहा कि यह प्रणाली किसानों के हित में एक मील का पत्थर साबित होगी।

शीतलहर से हो सकता है बड़ा नुकसान, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवायजरी

सतना/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशानुसार आगामी दिनों में ठंड की तीव्रता बढ़ने और शीतलहर की स्थिति बनने की संभावना को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला ने नागरिकों के लिए एडवायजरी जारी की है। इसमें आम जनता से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिसबर-जनवरी के बीच शीतलहर का प्रभाव अधिक होता है। बढ़ती ठंड बुजुर्गों, बच्चों, पहले से बीमार व्यक्तियों, दिव्यांगजन, खुले स्थानों पर काम करने वाले छोटे व्यवसायियों के लिए विशेष रूप से जोखिमपूर्ण हो सकती है। नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप गौतम स्पष्ट किया कि आगामी दिनों में शीतलहर और तीव्र शीतलहर दोनों ही परिस्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, जिनसे दीर्घकालीन बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सांस संबंधी रोगों से ग्रसित मरीजों, वृद्धजनों और पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के प्रभावित होने की आशंका अधिक रहती है। ऐसी स्थिति में हाइपोथर्मिया, निमोनिया, अस्थमा और हार्ट अटैक जैसी समस्याएँ बढ़ सकती हैं। इसलिए लोगों को अपने स्वास्थ्य पर नियमित निगरानी रखने और किसी भी असामान्य लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई है। अत्यधिक ठंड में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना, गुनगुना पानी पीना, शरीर को गर्म रखने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करना और गर्म कपड़ों का उपयोग करना लाभदायक है।

राजस्व अधिकारी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें -कलेक्टर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील न्यायालय संबंधी प्रकरणों के निराकरण के संबंध में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में जिले के राजस्व अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर ने जिले के तहसील न्यायालय में प्रचलित सीमांकन , बटवारा, कब्जा विवाद, देव स्थान, रास्ता विवाद , नामांतरण मामलों आदि के संबंध में जिले के राजस्व अधिकारियों को प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी खासकर रास्ता विवाद के मामलों में फील्ड में जाएं और दोनों पक्षों में आपस में सहमति कराकर प्रकरणों का निराकरण करें। सभी मामलों की सूची तैयार की जाए प्रकरणों को दर्ज किया जाए तथा मामलों की सूची तहसील कार्यालय में चस्पा की जाए और प्रतिदिन किये जा रहे प्रकरणों के निराकरण में स्व मूल्यांकन करें और कार्यों में प्रगति लाए। तहसील न्यायालय से जारी नोटिस की तामिल कराई जाए। फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तीव्र गति से करे। कोई भी किसान शेष नहीं रहना चाहिए।

रतलाम में किसी भी नल से दूषित पानी नहीं आए,ये सुनिश्चित किया जाए- मंत्री श्री काश्यप

रतलाम/दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन को स्वच्छ जल प्रदाय करने हेतु राज्य सरकार कटिबद्ध है मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कल ही वीडियो कांफ्रेसिंग में सख्त हिदायते दी है जल वितरण कार्य में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी जल संबंधी शिकायत के लिए कलेक्टर कार्यालय से हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया है शिकायत वाले मोहल्लो के लिए नगर निगम की 5 लोगो की मरम्मत और रखरखाव की टीम रहेगी नालो के लिए 5 टीमें होगी, जो सुनिशिचित करेगी कि गंदा पानी वितरित नहीं हो समस्या आने पर मरम्मत हेतु पाइप लाइन बंद कर टेंकर से पानी दिया जाएगा जल परीक्षण की लेब में भी केमिस्ट सहित सुविधाए बढ़ेगी रतलाम में किसी भी नल से दूषित पानी नहीं आए,ये सुनिश्चित किया जाए।

ये निर्देश शहरी क्षेत्रों मे सुरक्षित एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने दिए है आज कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक में कैबिनेट मंत्री श्री काश्यप ने आमजन को सप्लाई किये

जाने वाले पेयजल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उनहोंने कहा कि पेयजल की गुणवत्ता की नियमित रूप से टेस्ट कीट के माध्यम से जांच की जाए। पुराने एवं बार-बार लीकेज होने वाली पाईपलाईन, नालियों/सीवर पाईपलाईन के समीप अथवा नीचे से गुजरने वाली पाईपलाईनों का चिन्हांकन करवाये। चिन्हांकन मे पाये गए रिसाव का 48 घंटे के भीतर मरम्मत सुनिश्चित करे। शहर मे खराब पेयजल की शिकायत प्राप्त होते ही पाइपलाइन के जोड़ चेक करवायें यदि जोड़ मे लिकेज हो, तो उन्हें ठीक करवाये अन्यथा पाइपलाइन की खुदाई कर पाईपलाईन बदली जाए। जिस क्षेत्र में खुदाई का काम होना है, उस क्षेत्र में आमजन को पहले से सूचित किया जाए। काम त्वरित गति से करवायें। अनावश्यक खुदाई नही की जाये। मेप देख कर ही खुदाई करवायें, पुरानी पेयजल पाइपलाइन ठीक करते समय जब पेयजल सप्लाई रोकी जाये तो संबंधित क्षेत्र में टैन्कर से पानी उपलब्ध करवाये। सभी वार्ड/मोहल्ले से पेयजल के सेम्पल लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की जाए। पेयजल लेब पर अनुभवी टेक्नीशियन को ही पदस्थ करें, टेस्टिंग किट सभी जगह पर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होनी चाहिए। पेयजल के स्त्रोंत के आसपास किसी भी प्रकार की गंदगी न रहे यह सुनिश्चित किया जाए। पेयजल की समस्या के समाधान के लिए अधिकारी एवं संबंधित वार्ड/मोहल्ले के जनप्रतिनिधि संयुक्त निरीक्षण करें। काम करने वाली टीमो की सतत मानीटरिंग करें। पी एच ई विभाग पेयजल के सैम्पल लेकर सतत टेस्टिंग करें। पीएचई की सैम्पल जांच की क्रॉस चेकिंग के लिए अन्य संस्थान में भी पानी की जांच करवाये। पेयजल समस्या के समाधान के लिए आमजन हेतु हेल्पलाईन नंबर जारी करे। किसी मोहल्ले/घरों में गंदा पानी आने की शिकायत प्राप्त होते ही पेयजल से संबंधित शिकायतों का तत्काल निराकरण करे। जल आपूर्ति से संबंधित प्राप्त शिकायतों को एमरजेंसी केटेगरी में रखा जाये। लीकेज/दूषित जल शिकायतों का 24 से 48 घंटों के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाये। शहर की सभी नालियों की सफाई सुनिश्चित करें, बरसात के पानी से भरी एवं खुली नालियों की सफाई करवायें। नाली सफाई के लिए खोली जाये तो तीन दिन के अंदर काम समाप्त कर बंद करवायें।

भारत निर्वाचन आयोग मतदाता शिक्षा एवं जागरूकता में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मीडिया संस्थानों को करेगा सम्मानित प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो और ऑनलाइन मीडिया को दिए जाएंगे अवार्ड

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग वर्ष-2025 के दौरान मतदाता शिक्षा और जागरूकता पर सर्वोत्तम प्रचार अभियान हेतु मीडिया पुरस्कार के लिए मीडिया घरानों से प्रविष्टियां आमंत्रित करता है। इसके लिए चार पुरस्कार होंगे प्रिंट मीडिया, टेलीविजन, (इलेक्ट्रॉनिक), रेडियो (इलेक्ट्रॉनिक) तथा ऑनलाइन (इंटरनेट) / सोशल मीडिया में से प्रत्येक के लिए एक। ये पुरस्कार सुगम निर्वाचनों के बारे में लोगों को जागरूक करके, निर्वाचन प्रक्रिया, निर्वाचन संबंधी आई.टी. एप्लीकेशनों के बारे में लोगों को जानकारी देकर, विशिष्ट/दूरवर्ती मतदान केन्द्रों पर कहानियों को पेश करके तथा मतदान और पंजीकरण के महत्व और उनकी प्रासंगिकता के बारे में जन-साधारण के बीच जागरूकता लाकर के निर्वाचन सहभागिता को बढ़ावा देने में मीडिया घरानों के उत्कृष्ट योगदानों को मान्यता देने के लिए हैं। ये पुरस्कार प्रशस्ति-पत्र और फलक के रूप में होंगे और राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी, 2026) के दिन प्रदान किए जाएंगे। *मानदंड* जूरी निम्नलिखित मानदंडों को अपने मूल्यांकन का आधार बनाएगी ÷ 1. मतदाता जागरूकता अभियान की गुणवत्ता मतदाताओं को सटीक, संतुलित जानकारी प्रदान करना, विशेष शो/चर्चा/विशेषज्ञ-आधारित शो आयोजित करना। 2. कवरेज का विस्तार - गुणवत्ता और पहुंच। 3. सुगम निर्वाचनों, निर्वाचन संबंधित आई.टी. एप्लीकेशनों के बारे में जागरूकता पर कवरेज, विशिष्ट/दूरवर्ती मतदान केन्द्रों पर कहानियां, निर्वाचन प्रबंधन में ईसीआई/सीईओ की नई पहल, आदि। 4. निर्वाचन संबंधी गलत सूचना का खंडन करते हुए सही रूप बतलाना और तथ्यात्मक रूप से सही और सत्यापित सूचना उजागर करना। 5. आम जनता पर प्रभाव का कोई साक्ष्य। 6. कोई अन्य सुसंगत एक या अधिक कारक। *प्रविष्टि की शर्तें* प्रविष्टियां वर्ष 2025 के दौरान ही प्रकाशित या प्रसारित हुई हों। प्रिंट प्रविष्टियों में निम्नलिखित अवश्य शामिल होना चाहिएः 1. सुसंगत अवधि के दौरान किए गए कार्य का सारांश जिसमें निम्नलिखित शामिल होना चाहिएः ड्ड. समाचार मदों/लेखों की संख्या। ड्ड. वर्ग से.मी. में कुल मुद्रित स्थान। 2. पीडीएफ सॉफ्ट कॉपी अथवा संबंधित वेब एड्रेस का लिंक अथवा समाचार पत्र/लेखों की पूर्ण आकार की फोटो प्रति/मुद्रित प्रति। 3. कोई अन्य क्रियाकलाप जैसे कि लोगों से प्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क स्थापित करना आदि। 4. कोई अन्य सूचना। *प्रसारित टेलीविजन (इलेक्ट्रॉनिक) और रेडियो (इलेक्ट्रॉनिक) प्रविष्टियों में निम्नलिखित अवश्य शामिल होना चाहिएः* 1. वर्ष 2025 की अवधि के दौरान किए गए प्रचार अभियान/कार्य का संक्षिप्त विवरण, जिसमें निम्नलिखित शामिल होना चाहिएः द्व. रेडियो प्रसारण/टेलीविजन प्रसारण की बारम्बारता और कालावधि के साथ सामग्री (सीडी या डीवीडी या पेन ड्राइव में) तथा उस कालावधि के दौरान प्रत्येक स्पॉट के ऐसे प्रसारण का कुल समय। द्वद्व. सभी स्पॉट/समाचार हेतु कुल प्रसारण समय का योग। द्वद्वद्व. कालावधि, रेडियो प्रसारण/ टेलीविजन प्रसारण की तारीख तथा समय और बारम्बारता सहित सीडी या डीवीडी या पेन ड्राइव या अन्य डिजिटल मीडिया में मतदाता जागरूकता पर न्यूज फीचर्स या कार्यक्रम। 2. कोई अन्य क्रियाकलाप जैसे कि लोगों से प्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क स्थापित करना।

सम्पादकीय

आज की समृद्धि, कल की कीमतः वैश्विक कर्ज का सच

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ी हुई है, जहां विकास की गति से अधिक तेज़ी से कर्ज का पहिया घूम रहा है। दुनिया का कुल सार्वजनिक कर्ज 100 ट्रिलियन डॉलर की ऐतिहासिक सीमा पार कर चुका है, जो अब वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 94.7 प्रतिशत के बराबर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार यह आंकड़ा 2025 में लगभग 111 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है और यदि मौजूदा प्रवृत्तियां जारी रहीं, तो 2029 तक यह जीडीपी के 100 प्रतिशत को पार कर सकता है (प्रतिकूल स्थिति में 115-123% तक)। यह स्थिति केवल आर्थिक आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह वैश्विक वित्तीय स्थिरता, सामाजिक संतुलन और राजनीतिक निर्णय क्षमता के लिए एक गंभीर चेतावनी बन चुकी है। कर्ज अब केवल विकास का साधन नहीं, बल्कि भविष्य की नीतियों पर बोझ बनता जा रहा है।

विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह संकट और भी गहराता दिख रहा है। अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे देशों में सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के 110 प्रतिशत के आसपास पहुंच चुका है। अकेले अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज 38.5 ट्रिलियन डॉलर के करीब है, जहां सालाना ब्याज भुगतान लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है यह राशि कई देशों के कुल रक्षा बजट से भी अधिक है। ओईसीडी की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि सरकारों का बढ़ता ब्याज व्यय अब शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे उत्पादक क्षेत्रों के लिए उपलब्ध संसाधनों को निगल रहा है। जब सरकारें कर्ज चुकाने में अधिक धन खर्च करती हैं, तो विकास निवेश स्वाभाविक रूप से सिमट जाता है, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता खतरे में पड़ जाती है।

इस वैश्विक कर्ज संकट की जड़े हाल के वर्षों की असाधारण घटनाओं में छिपी हैं। कोविड-19 महामारी ने सरकारों को अभूतपूर्व स्तर पर उधार लेने के लिए मजबूर किया। स्वास्थ्य प्रणालियों को संभालने, लॉकडाउन के दौरान अर्थव्यवस्था को जीवित रखने और सामाजिक सहायता योजनाओं को चलाने के लिए ट्रिलियनों डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज जारी किए गए। इसके तुरंत बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा और खाद्य संकट को जन्म दिया, जिससे सब्सिडी और रक्षा खर्च में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। इन दोनों घटनाओं ने राजकोषीय संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ दिया। नतीजा यह हुआ कि ओईसीडी देशों में ब्याज खर्च जीडीपी का 3.3 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो अब रक्षा व्यय से भी अधिक है।

विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति और भी नाजुक है। इन देशों पर कुल कर्ज लगभग 31 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है और वे हर साल करीब 921 अरब डॉलर केवल ब्याज भुगतान में खर्च कर रहे हैं। ऊंची वैश्विक ब्याज दरें और कमजोर आर्थिक वृद्धि इस संकट को और गहरा कर रही हैं। आईएमएफ की रिपोर्ट बताती है कि कॉर्पोरेट और सरकारी बॉन्ड मिलाकर वैश्विक बॉन्ड बाजार 100 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का हो चुका है, जिससे रिफाइनेंसिंग जोखिम खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी का बहिर्वाह, मुद्रा अवमूल्यन और भुगतान संतुलन संकट की आशंका लगातार बढ़ रही है।

आने वाला वर्ष 2026 इस संकट का निर्णायक पड़ाव साबित हो सकता है। अनुमान है कि बढ़ता कर्ज वैश्विक आर्थिक विकास दर को लगभग 3.2 प्रतिशत पर सीमित कर देगा। उभरते बाजारों में करीब 8 ट्रिलियन डॉलर के बॉन्ड रिडेम्पशन की चुनौती सामने होगी, जिससे कई देशों की मुद्राएं दबाव में आ सकती हैं। अमेरिका में सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के 102 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है, जहां ब्याज भुगतान संघीय बजट का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा निगल सकता है। यूरोप में पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर कटौती का खतरा मंडरा रहा है, जबकि एशिया में चीन का बढ़ता उधार उसकी विकास गति को सुस्त कर सकता है। आईएमएफ चेतावनी देता है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में वैश्विक कर्ज जीडीपी के 115 प्रतिशत तक जा सकता है, जो एक नई वैश्विक मंदी को जन्म दे सकता है।

नकारात्मक परिदृश्य में वैश्विक वित्तीय बाजारों में बड़ा संकट भी संभव है। अंतरराष्ट्रीय वित्त संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 16 ट्रिलियन डॉलर का रिफाइनेंसिंग संकट विकसित बाजारों को हिला सकता है। यदि निवेशकों का भरोसा डगमगाया, तो शेयर और बॉन्ड बाजारों में भारी गिरावट देखी जा सकती है, जो 2008 की वित्तीय मंदी से भी अधिक गहरी हो सकती है। विकासशील देशों में बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक अस्थिरता बढ़ने का खतरा है, जबकि अमीर देशों में आय और संपत्ति की असमानता और तेज हो सकती है। भू-राजनीतिक तनाव पूंजी प्रवाह को बाधित करेंगे, जिससे उधार और महंगा हो जाएगा और संकट का दायरा और फैल जाएगा।

इतिहास गवाह है कि जब कर्ज पर से नियंत्रण फिसलता है, तो उसके झटके केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समाज और राजनीति की नींव तक को हिला देते हैं।

इन्दौर की जल-त्रासदी और प्रशासनिक लापरवाही का नंगा चेहरा

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें कथनी और करनी की असमानता की पौल खोलती भयावह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है। यह घटना उस व्यवस्था का क्रूर और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। सौ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए, सैकड़ों बीमार पड़े और अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए। सभ्य समाज में यह कल्पना ही आत्मग्लानि से भर देने वाली है कि जिस पानी को जीवनदायिनी मानकर पिया गया, वही सीवर की गंदगी से मिला हुआ था। सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। सवाल यह नहीं है कि पानी में सीवर कैसे मिला, असली सवाल यह है कि चेतावनियों के बावजूद इसे रोका क्यों नहीं गया? हर बार की तरह इस बार भी जांच समितियां बनीं, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। भले ही अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। क्या इन दिखावे की कार्रवाइयों से मृतकों का प्रायश्चित हो गया? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकेंगी? सच्चाई यह है कि जांच समितियां अब जवाबदेही तय करने का नहीं, बल्कि मामले को ठंडा करने का माध्यम बन चुकी हैं।

इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? यह सही है कि उमा भारती जैसी वरिष्ठ नेत्री ने दोषियों से प्रायश्चित और दंड की मांग की, लेकिन देश का अनुभव बताता है कि ऐसी मांगें अक्सर समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया जाता है, लेकिन इंदौर की घटना ने दिखा दिया कि यदि व्यवस्था की पटरियां जर्जर हों, तो इंजन कितने भी हों, दुर्घटना तय है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण की बात कही थी और जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने पर जोर दिया था। लेकिन जब नागरिकों को स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा, स्वस्थ चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं ही सुरक्षित रूप से उपलब्ध न हों, तो जीवनयापन को सुगम बनाने की बात खोखली लगती है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की यह त्रासदी इस अधिकार का खुला उल्लंघन है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पानी में जहरीला पदार्थ मिलाए और उससे लोगों की मौत हो जाए, तो वह गंभीर अपराध माना जाता है। फिर जब प्रशासन की लापरवाही से जहरीला पानी घर-घर पहुंचता है और लोगों की जान जाती है, तो उसे अपराध क्यों नहीं माना जाए? यह गैर-इरादतन हत्या से कम गंभीर मामला नहीं है।

इंदौर की घटना यह भी उजागर करती है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और चमकदार प्रचार व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। सड़कें साफ हो सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन यदि पाइपलाइनों के भीतर जहर बह रहा है, तो ऐसा विकास जनता के साथ छल है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के अनेक छोटे-बड़े शहरों में जर्जर पाइपलाइनें, अवैज्ञानिक सीवर व्यवस्था और भ्रष्ट ठेकेदारी तंत्र वर्षों से नागरिकों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं हैजा फैलता है, कहीं पीलिया, कहीं दस्त और संक्रमण, लेकिन हर बार इसे स्थानीय समस्या कहकर टाल दिया जाता है। अब सवाल यह है कि क्या इंदौर की पंद्रह मौतें भी प्रशासन को जगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? क्यों नहीं ऐसी घटनाओं को आधार बनाकर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का बुलडोजर चलाया जाता? आज जब अवैध निर्माणों और गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चल सकता है, तो प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं? क्यों उन अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज नहीं होते, जिनकी अनदेखी से लोगों की जान चली जाती है? क्यों सेवा से बर्खास्तगी और जेल की सजा जैसे कठोर कदम नहीं उठाए जाते?

यह घटना पूरे देश के लिए चेतावनी है। सभी राज्यों और स्थानीय निकायों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का गंभीरता से ऑडिट करना चाहिए। मुख्य पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण हो, सीवर और जल आपूर्ति लाइनों के बीच सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जाए और यह स्पष्ट तय हो कि किस स्तर का अधिकारी किस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार होगा। जवाबदेही केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। जब तक लापरवाही को अपराध नहीं माना जाएगा और दोषियों को वास्तविक दंड नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। आज भी देश में हर एक लाख आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूषित पेयजल की वजह से जान जाती है। ग्लोबल एवरेज की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। बेशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81 प्रतिशत ग्रामीण घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है। भारत ने 2047 तक विकसित देशों की कतार में खड़े होने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पहले आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होगा। 2050 तक भारत की आबादी 1.7 अरब तक होने का अनुमान है और तब पानी के संसाधनों पर और दबाव पड़ेगा। देश को बेहतर वॉटर मैनेजमेंट के साथ सिस्टम को सुधारने की जरूरत है, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। इंदौर की घटना केवल शोक व्यक्त करने का विषय नहीं है, यह व्यवस्था परिवर्तन की पुकार है। यदि इसे भी एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा कहकर भुला दिया गया, तो कल किसी और शहर में, किसी और गली में, कोई और परिवार इसी पीड़ा से गुजरेगा। जनता को अब नारों, पुरस्कारों और रैंकिंग से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उसे सवाल पूछने होंगे, जवाब मांगने होंगे और यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वच्छ भारत केवल झाड़ू और प्रचार से नहीं, बल्कि जवाबदेही, ईमानदारी और संवेदनशील प्रशासन से बने। यदि इंदौर की पंद्रह मौतें भी व्यवस्था की नींद नहीं तोड़ सकीं, तो यह मानना पड़ेगा कि गंदगी केवल पानी की पाइपलाइन में नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की नसों में बह रही है।

-ललित गर्ग

बढ़ता यात्री असंतोष और भारत की विमानन प्रणाली पर दबाव

दिल्ली हवाई अड्डे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस के ड्यूटी से बाहर पायलट द्वारा एक यात्री पर कथित हमले की घटना को किसी व्यक्ति के खराब आचरण का एक अलग मामला मानकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। इसे विमानन प्रणाली में बढ़ते परिचालन और मानव पर दबाव के संकेत के रूप में देखना बेहतर होगा। वर्ष 2021 से पिछले साल अक्टूबर तक, 36,500 से अधिक यात्री शिकायतें दर्ज की गईं। हालांकि कर्मचारियों के व्यवहार से जुड़ी घटनाएं बहुत कम हैं, लेकिन वे अक्सर उड़ान में व्यवधान, देरी या रद्द होने और कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने जैसी स्थितियों में सामने आती हैं। भारत का विमानन क्षेत्र पहले से कहीं अधिक लोगों को यात्रा करा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है।

नागर विमानन महानिदेशालय के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि ट्रैफिक की तुलना में यात्रियों की शिकायतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, यहां तक कि उन महीनों में भी जब यात्रियों की संख्या कम होती है, ऐसी शिकायतें आती हैं। उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2025 में यात्री शिकायत दर प्रति 10,000 पर 1.1 थी, जबकि मई में यह 0.68 थी। इससे पता चलता है कि असंतोष अब केवल भीड़ या चरम मांग का परिणाम नहीं है। बल्कि, यह बताता है कि व्यवधान होने पर उसका प्रबंधन कैसे किया जाता है। उड़ान में व्यवधान, धन वापसी और सामान को लेकर ही ज्यादातर शिकायतें होती हैं। मौसमी दबाव से इस प्रणाली की कमियां सबसे स्पष्ट रूप उजागर हो जाती हैं। मॉनसून और सर्दियों के महीनों में खराब मौसम के कारण उड़ानें रद्द होने की संख्या बढ़ जाती है, लेकिन आमतौर पर आकस्मिक देरी या पहले हुए व्यवधानों के कारण आगे होने वाली देरी से ही यात्रियों को गुजरना पड़ता है। औपचारिक रूप से तो 'कर्मचारी व्यवहार' के रूप में वर्गीकृत शिकायतें कुल शिकायतों का एक छोटा हिस्सा हैं, लेकिन व्यवधान के समय में अक्सर ये बढ़ जाती हैं। पायलट, केबिन क्रू और ग्राउंड स्टाफ सहित फ्रंटलाइन स्टाफ पर समय का अत्यधिक दबाव होता है, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और उनके पास सीमित आजादी होती है। वे अक्सर प्रणालीगत विफलता और यात्रियों के गुस्से के बीच अंतिम कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। हाल के वर्षों में अधिकांश श्रेणियों में एयरलाइन रोजगार में वृद्धि के बावजूद यह तनाव बढ़ा है। हालांकि, कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि का अर्थ यह नहीं है कि काम आसान हो गया है। यात्रियों की अधिक संख्या, सख्त कार्यक्रम और उत्पादकता की मांग का मतलब है कि अधिक लोगों को एक ऐसी प्रणाली से गुजरना पड़ रहा है, जिससे गड़बड़ी होने पर सुधार की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है।

-धनंजय राजौरा

भारत में भौगोलिक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत सामरिक आर्थिक विकास की ओर अग्रसर

भारत विश्व के उन विशिष्ट राष्ट्रों में है जहाँ भौगोलिक विविधता एक ओर गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है तो दूसरी ओर वही विविधता उसकी सामरिक और आर्थिक शक्ति का आधार भी बनती है, उत्तर में हिमालय की दुर्गम और हिमाच्छादित पर्वतमालाएँ प्राकृतिक सुरक्षा कवच प्रदान करती हैं परंतु साथ ही सीमावर्ती अवसंरचना, परिवहन और संचार के लिए कठिनाइयाँ उत्पन्न करती हैं, दक्षिण में फैला विशाल हिंद महासागर भारत को एक प्रमुख समुद्री शक्ति बनाता है लेकिन समुद्री सुरक्षा, तटीय आपदाएँ और अंतरराष्ट्रीय नौवहन की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ाता है।

पश्चिम का थार मरुस्थल जल संकट, सीमित कृषि और जीवन की कठोर परिस्थितियों की चुनौती देता है तो पूर्व का गंगा-ब्रह्मपुत्र का मैदान अत्यधिक जनसंख्या घनत्व, बाढ़ और भूमि क्षरण जैसी समस्याओं से जूझता है, इसके बावजूद भारत ने इन भौगोलिक विषमताओं को रणनीतिक अवसरों में परिवर्तित करते हुए निरंतर प्रगति की है, लगभग 7516 किलोमीटर लंबी तटरेखा ने भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में निर्णायक भूमिका दी है जहाँ वैश्विक व्यापार का बड़ा भाग संचालित होता है और भारतीय नौसेना ने अरब सागर, बंगाल की खाड़ी तथा हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है, हिमालयी क्षेत्रों में अटल सुरंग, सीमावर्ती सड़कों और ऑल-वेदर परियोजनाओं ने सामरिक गतिशीलता के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को भी गति दी है, भौगोलिक स्थिति के कारण भारत मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका को जोड़ने वाला स्वाभाविक सेतु बनता है और इसी कारण अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा तथा भारतङ्कमध्य पूर्वङ्कयूरोप आर्थिक गलियारे जैसी पहलें भारत की वैश्विक आर्थिक भूमिका को सुदृढ़ करती हैं, आर्थिक दृष्टि से भारत की यात्रा आसान नहीं रही है क्योंकि विशाल जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी, क्षेत्रीय असमानता, अविकसित अवसंरचना, ऊर्जा सुरक्षा, आयात पर निर्भरता और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियाँ लंबे समय तक विकास में बाधक रहीं, स्वतंत्रता के बाद के दशकों में सीमित संसाधन और धीमी औद्योगिक गति भारत की आर्थिक क्षमताओं को सीमित करती थी, परंतु समय के साथ नीतिगत सुधारों, उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण ने अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी, कृषि पर निर्भर अर्थव्यवस्था ने सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों की ओर विस्तार किया, खनिज संसाधनों की उपलब्धता ने इस्पात, ऊर्जा और निर्माण उद्योग को आधार दिया तो उपजाऊ मैदानों और विविध जलवायु ने भारत को विश्व के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देशों में स्थापित किया, आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत ने डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप संस्कृति और बुनियादी ढांचे के विकास में उल्लेखनीय प्रगति की, सड़क, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार ने आंतरिक बाजार को सुदृढ़ किया और निवेश को आकर्षित किया, जनसंख्या का आकार लंबे समय तक दबाव माना गया लेकिन युवा जनसंख्या ने श्रम शक्ति, उपभोक्ता बाजार और नवाचार की क्षमता को बढ़ाया, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, महामारी, आपूर्ति श्रृंखला बाधाएँ और भू-राजनीतिक तनाव भी भारत के लिए बड़ी परीक्षा रहे हैं, फिर भी भारत ने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन जैसी नीतियों के माध्यम से औद्योगिक आत्मविश्वास को मजबूत किया, इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक संपन्न शक्ति के रूप में उभर रहा है, यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की कहानी नहीं बल्कि संघर्ष, सुधार और अनुकूलन की निरंतर प्रक्रिया का परिणाम है, विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना इस बात का संकेत है कि भारत ने अपनी भौगोलिक विविधता और आर्थिक चुनौतियों के बीच संतुलन साध लिया है, सामरिक दृष्टि से पर्वतीय सीमाएँ, रेगिस्तानी क्षेत्र और समुद्री विस्तार तीनों ही अलग-अलग सैन्य रणनीतियों की मांग करते हैं और भारतीय सशस्त्र बलों ने इन परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीक और तैनाती विकसित की है, सियाचिन जैसे अत्यधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में भारतीय सेना की उपस्थिति और हिंद महासागर में ब्लू वॉटर नेवी की अवधारणा भारत को एक संतुलित और जिम्मेदार शक्ति बनाती है, साथ ही आपदा प्रबंधन, उपग्रह आधारित चेतावनी प्रणाली और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल ने प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया है, समग्र रूप से देखा जाए तो भारत की भौगोलिक विविधता उसके लिए चुनौती भी है और शक्ति भी, आर्थिक कठिनाइयों और संरचनात्मक समस्याओं के बावजूद भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना इस बात का प्रमाण है कि दूरदर्शी नीति, लोकतांत्रिक संस्थाएँ, मानव संसाधन और सामूहिक प्रयास किसी भी राष्ट्र को वैश्विक मंच पर सशक्त बना सकते हैं, भारत की यह यात्रा दर्शाती है कि विविधता यदि समावेशी सोच और सुदृढ़ रणनीति से जुड़ जाए तो वह बाधा नहीं बल्कि उन्नति का स्थायी आधार बन जाती है।

-संजीव ठाकुर

राष्ट्र की शक्ति, युवाओं का जीवन तनावपूर्ण नहीं वरन् आनंदमय होना चाहिए

ये जीवन और दुनिया बहुत ही सुंदर है बशर्ते इंसान इसे सहजता और सरलता से जीना सीख ले। मनुष्य अपनी असहजता और शिकायतों के चलते अपना जीवन बोझिल बना लेता है। मनुष्य अपनी जिंदगी को एक सीमित दायरे में लेकर चलता है। पैसा, खाना मौज - मस्ती, भौतिक वादिता में ही उलझा रहता है। वह इस सबसे ऊपर उठकर देख ही नहीं पाता। भगवान ने मानव शरीर को बहुत ही सुन्दर और व्यवस्थित रूप से बनाया है। यह शरीर स्थूल व सूक्ष्म रूप में क्रियाशील रहता है। सूक्ष्म शरीर में सात चक्र व तीन नाड़ियां हैं जिनमें विराजित शक्तियों को यदि हम जागृत करें तो हम होने वाले परिवर्तनों से से आश्चर्यचकित हो जाते हैं। हमारा जीवन चमत्कारिक बन जाता है। इन शक्तियों की जागृति के लिए आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर ध्यान के माध्यम से, ब्रह्माण्ड की सर्वव्यापी शक्ति से जुड़ जाते हैं। यह योग हमें आनंद की वह परम अवस्था प्रदान करता है जिसे प्राप्त करने के लिए कल्पों से ऋषि - मुनि व संतजन कठिन तपस्या में लीन रहते हैं। परम शांति की अनुभूति हमारे शरीर को दिव्य बना देती है। हम धीरे धीरे ध्यान की गहनता को प्राप्त करते हैं। उस गहनता में हमारे सभी चक्र व नाड़ियां इतने शुद्ध और पवित्र हो जाते हैं, कि उनमें से चैतन्य प्रवाहित होने लगता है। हमारा शरीर स्वस्थ हो जाता है, हम मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक, आध्यात्मिक रूप से प्रबल हो जाते हैं। हम गुणातीत व धर्मातीत बन जाते हैं। हमारा हृदय प्रेममय हो जाता है। हमारी आत्मा का प्रकाश हमारे रोम - रोम से प्लावित करता है। इस प्रकाश, में हम देख पाते हैं, कि हमारे दोष क्या है? जिससे हमें दोष मुक्त बनने का रास्ता भी मिल जाता है। परंतु वर्तमान काल की विडंबना है, कि युवा शक्ति सोचती है कि एक बार ही जीवन मिला है और इसे मौज - मस्ती में जीना चाहिए। जो मन में आए वही करना चाहिए । भगवान पर उनकी श्रद्धा व विश्वास कम होता जा रहा है।वह उनकी शक्तियों को भी नकारते हैं। जो युवा ऐसा जीवन जी रहे हैं और अपने आप को भूल रहे हैं आप देखेंगे कि उन्हीं का मन सबसे ज्यादा अशांत है। चिंताओं से घिरा हुआ है। सही व गलत का ज्ञान न हो पाने के कारण गलत संगत में पड़ जाते हैं। मिथ्या शान- शौहरत के चक्कर में फंसकर तनावग्रस्त आर्थिक समस्याओं के जाल में फंस जाते हैं। आप सोचकर देखिए ऐसी जिंदगी को कूल कहना कहां तक उचित है? ध्यान आपको आपकी पहचान कराता है वास्तव में जो आप हैं उससे एकाकार कराता आपको सुरक्षा प्रदान करता है आपकी हर प्रकार से देखभाल करता है। ये सिर्फ बातें ही नहीं है बल्कि वास्तविकता है। श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित सहजयोग ध्यान आधुनिक युग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति का सहज व अनुभवजनित साधन है । सहज ध्यान का अनुभव करिए और देखिए जीवन जितना प्रेममय, करुणामय व आनंदमय है। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

कक्षा की दीवारों से बाहर शिक्षाः अनिवार्य उपस्थिति की वैचारिक पड़ताल

उच्च शिक्षा का मुख्य उद्देश्य केवल छात्रों को डिग्री देना या उन्हें एक निश्चित साँचे में ढालना नहीं है। इसका सार यह भी है कि एक छात्र को उसकी बेड़ियों से मुक्त कर एक चिंतनशील नागरिक बनाना जो स्वतंत्र सोच के योग्य हो। फिर भी भारतीय कॉलेजों और विश्वविद्यालयों ने एक ऐसी प्रणाली लागू की है जहाँ हर छात्र को कक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य है, और यह डिग्री शिक्षा की सीमा है, और इससे अधिक ÷निगरानी और अनुशासन÷ नहीं है। यदि किसी की उपस्थिति का भौतिक स्थान सीखने के लिए एक पूर्वापेक्षा बन जाता है, तो ज्ञान यांत्रिक हो जाता है, जिससे जिज्ञासा, संवाद और आलोचनात्मक सोच जैसे अन्य तत्व बाहर हो जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में, सभी छात्र सीखने की खुशी या बौद्धिक जिज्ञासा से नहीं, बल्कि नियमों और दंड से प्रेरित होते हैं। ऐसे वातावरण में, इस मुद्दे के नैतिक और कानूनी आयाम को दिल्ली उच्च न्यायालय के हालिया बयानों द्वारा रेखांकित किया गया है। न्यायालय ने दोहराया कि छात्रों को परीक्षा देने या अकादमिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर न देना, यदि उन्होंने ÷कठोर उपस्थिति मानदंड÷ के अनुसार अपने प्रदर्शन का कम से कम एक अंश दिखाया है, तो यह शिक्षा के होने के कारण का अपमान है। ये बयान इस दृष्टिकोण को व्यक्त करते हैं कि, आज तक, उच्च शिक्षा में छात्र केवल बच्चे नहीं हैं; वे अधिक परिपक्व लोग हैं, जिन्हें अनुभव के साथ आने वाले आत्म-अनुशासन और जिम्मेदारी की आवश्यकता होती है। शिक्षा का मूल्य वास्तव में सीखने की क्षमता के अनुसार मूल्यांकन किया जाना चाहिए, न कि केवल कुछ पाठों में बैठने के अनुसार, न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला। यह भारतीय विश्वविद्यालय संस्थानों में पारंपरिक प्रथा को चुनौती देता है जो उपस्थिति को शैक्षिक योग्यता का मुख्य प्रतिबिंब मानता है। इन परिसरों के भीतर पाउलो फ्रेरे की आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र और विशेष रूप से उनका बैंकिंग मॉडल प्रचलित शैक्षिक मॉडल की एक शक्तिशाली आलोचना प्रस्तुत करता है। शिक्षण के उस चरित्र के द्वारा जिसमें शिक्षक ज्ञान के जमाकर्ता होते हैं और छात्र निष्क्रिय प्राप्तकर्ता होते हैं, एक शैक्षिक प्रक्रिया फ्रेरे के अनुसार असंतुलित रहती है। इस बैंकिंग मॉडल में, शिक्षक बैंक का दिल होता है, और छात्र मूल रूप से, आज्ञाकारी उपभोक्ता होता है। अनिवार्य उपस्थिति की धारणा केवल इस मॉडल को मजबूत करती है, क्योंकि अब यह छात्र की उपस्थिति है न कि सीखने की गुणवत्ता। इस तरह, शिक्षा संवाद और सहयोग का कार्य बनना बंद कर देती है और नियंत्रण और निगरानी का तंत्र बन जाती है। ऐसे सिस्टम के नैतिक परिणाम गंभीर होते हैं। जैसे ही स्कूल छात्रों को नियमों का पालन करने वालों की श्रृंखला के रूप में देखना शुरू करते हैं, वे उनकी स्वायत्तता और गरिमा छीन लेते हैं। शिक्षा, जो स्वतंत्र सोच और आत्मनिर्णय को उत्पन्न करने का साधन है, अनुशासन उपकरण बन जाती है। और वहाँ, उन्हें यह प्रतिक्रिया मिलती है कि उनकी उपस्थिति महत्वपूर्ण है, यदि नहीं तो समझने, या प्रश्न पूछने के लिए एकमात्र है। समय के साथ, यह मानसिकता स्थापित हो जाती है; कि सीखना बाहरी उत्तेजनाओं के सामने किया जाता है, आंतरिक प्रेरणा के पक्ष में नहीं। नैतिक रूप से, यह आज्ञाकारिता के लिए शिक्षा है, स्वतंत्रता के लिए नहीं। अनिवार्य उपस्थिति के इस कठोर दृष्टिकोण से छात्र स्तर पर कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उच्च शिक्षा कई मायनों में आज तक की तुलना में अधिक जटिल और बहुआयामी है। नए प्रकार के सीखने और अवसर मौजूद हैं जिनमें ऑनलाइन संसाधन, वेब-आधारित सामग्री, अनुसंधान जांच, परियोजनाएं और फील्डवर्क शामिल हैं। इसके साथ कहा गया है।

उपस्थिति केवल कक्षा में बैठने जितनी महत्वपूर्ण है, जिसका अर्थ है कि ये सफल, वैकल्पिक सीखने के तरीके नजरअंदाज किए जाते हैं। यह शिक्षा को मानक और विशिष्ट बनाता है, क्योंकि ज्ञान का क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है और गतिशील है। अनिवार्य उपस्थिति नीति सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को और बढ़ा देती है। ऐसे छात्र हैं जो आर्थिक कारणों से अंशकालिक काम कर रहे हैं, माता-पिता जो अपने सभी बच्चों की देखभाल कर रहे हैं, कुछ जो स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, और कई जिन्हें अभी नौकरी नहीं मिली है। ऐसी कठोर उपस्थिति नियम इन विविध परिस्थितियों को नजरअंदाज करते हैं और सभी छात्रों के लिए एक ही उपस्थिति मानक लागू करते हैं। इस संदर्भ में दिल्ली उच्च न्यायालय की चिंता महत्वपूर्ण है, इस अर्थ में कि यह अन्याय और देखभाल के हमले के तहत शिक्षा का मामला है, यह जोर महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निहित करता है कि शिक्षा को न्याय और मानव संवेदनशीलता के संदर्भ से जांचा जाना चाहिए। जब यह छात्रों की वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं होता है, जहां वे अपने जीवन में हैं, हम समान अवसर नहीं हैं, समान अवसर की बहुत अवधारणा पतली हो जाती है। फ्रेरे की आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र में, शिक्षा का उपयोग सामाजिक परिवर्तन के एक साधन के रूप में किया जाता है। उनके अनुसार, शिक्षा की भूमिका केवल जानकारी प्रदान करना नहीं है बल्कि चेतना को प्रोत्साहित करना भी है, छात्रों को एक नींव प्रदान करना जो उन्हें अपने सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक वातावरण के साथ आलोचनात्मक रूप से जुड़ने और प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाता है। बैंकिंग मॉडल के अपवाद के साथ, बैंकिंग मॉडल छात्रों को यथास्थिति बनने के लिए सिखाता है। जब शिक्षा को अनिवार्य उपस्थिति के माध्यम से नियंत्रण और अनुशासन के साथ जोड़ा जाता है, तो यह आलोचनात्मक चेतना के गठन में बाधा बन जाती है। यथास्थिति को चुनौती देने और विभिन्न दृष्टिकोणों को देखने के बजाय, छात्र सीखते हैं कि सुरक्षा नियमों के अनुसार अनुरूपता में निहित है। भारतीय उच्च शिक्षा में ऐतिहासिक और संरचनात्मक स्तरों पर, हमें समस्या मिलती है। औपनिवेशिक स्कूलिंग सिस्टम ने प्रशासनिक नियंत्रण और अनुशासन को शिक्षा के मौलिक स्तंभ बना दिया था। स्वतंत्रता के बाद भी कई स्कूल अनजाने में इस ही प्रतिमान में उलझ गए। अनिवार्य उपस्थिति उसी परंपरा का हिस्सा है जो नियंत्रण बनाए रखने की है; शिक्षा को एक नौकरशाही प्रक्रिया की तरह चलाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, उच्च शिक्षा अधिक लचीले, छात्र-केंद्रित और संवाद-आधारित दृष्टिकोणों की ओर बढ़ रही है। दूसरा, उपस्थिति और सीखने का सीधा और प्राकृतिक संबंध नहीं है। कुछ छात्रों के लिए, शिक्षक या शिक्षक-प्रारंभिक गतिविधि उन्हें एक उद्देश्य की भावना प्रदान करती है जब वे केवल एक बैठक में भाग लेने में सक्षम होते हैं लेकिन एक निष्क्रिय तरीके से भाग लेते हैं, जबकि ये सभी छात्र अपने स्वयं के अध्ययन, चर्चा और अनुसंधान के साथ अधिक सीखते हैं। जब विश्वविद्यालय उपस्थिति को सीखने के साथ बराबर करते हैं - वे इस जटिलता को नजरअंदाज करते हैं। ऐसा करने में, शैक्षिक गुणवत्ता को केवल उपस्थिति पर आंका जा सकता है। इसलिए, जो हम जानते हैं उसका वास्तविकता में बहुत कम आधार है। उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणियों को उच्च शिक्षा की नीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए एक वाहन के रूप में देखा जा सकता है। उनके लेंस के माध्यम से, अदालतें तर्क देती हैं, शिक्षा सीखने के बारे में होनी चाहिए, न कि दंड के बारे में।

- डॉ सत्यवान सौरभ

सीवियर कोल्ड डे रहा नए साल का तीसरा दिन, 3 डिग्री गिरा तापमान

दिनभर छाया रहा घना कोहरा, हाईवे पर रेंगने को मजबूर हुए वाहन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नए साल की शुरूआत तो हल्की सर्दी से हुई थी, लेकिन इसके बाद लगातार तीन दिनों से नगरवासी भीषण सर्दी का सामना कर रहे हैं। शनिवार को तो नए साल का तीसरा दिन सीवियर कोल्ड डे रहा। इस दिन न तो धूप खिली, न हवाएं थमी। वहीं रात से घना कोहरा शनिवार को भी दिनभर छाया रहा। जिसके चलते लोगों को दिनभर अलाव व गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा।

शुक्रवार रात को भी आसमान घने कोहरे से ढंका रहा। तो 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने दिनभर नगर में डेरा डाले रखा, जिसके चलते लोगों को दिनभर ठिठुरना पड़ा। नगरवासी दिनभर धूप खिलने का इंतजार करते रहे, लेकिन कोहरे के चलते सूरज बादलों की ओट में छुपा रहा और लोगों की उम्मीद अधूरी रह गई। कोहरे के कारण हाईवे से गुजर रहे वाहन चालकों को भी 20 की स्पीड से वाहन चलाना पड़ा तो कई वाहन चालको को वाहन खड़े कर कोहरा छंटने का इंतजार करना पड़ा। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अभी दो दिन और मौसम ऐसा ही रहेगा। सोमवार को हो सकता है मौसम साफ हो और सर्दी से राहत मिले।

सीवियर कोल्ड डे रहा शनिवार, 20 डिग्री रहा तापमान- शनिवार को केवल कोहरा ही नहीं छाया रहा बल्कि इस दिन तापमान मे 3 डिग्री की गिरावट भी दर्ज की गई। इस दिन अधिकतम तापमान 23 से घटकर 20 डिग्री पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 13 डिग्री से घटकर 11 तक पहुंच गया। इसके अलावा शीतलहर ने दिनभर लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। अब लोग आसमान साफ होने और सर्दी से राहत का इंतजार कर रहे हैं।

रेंगते हुए चले वाहन, जीरो रही विजिबिलिटी- 80 की स्पीड से हाईवे पर चलने वाले वाहनों की गति भी घने कोहरे के कारण 20 पर पहुंच गई। इसके बाद भी वाहन चालकों को अपने वाहनों की लाईट चालू रख रास्ता तय करना पड़ा ताकि वे हादसे का शिकार न हो। दोपहर 2 बजे तक स्थिति यह थी कि आमने-सामने दिखाई देना बंद हो गया था। इस वजह से कई वाहन चालकों को अपने वाहन रोकना पड़े ताकि मौसम साफ हो और वे आगे का रास्ता तय कर सकें।

भक्ति, उल्लास और आस्था से सराबोर हुई ब्रज भूमि

मां चामुंडा-मां तुलजा भक्त मंडल ने किए दर्शन

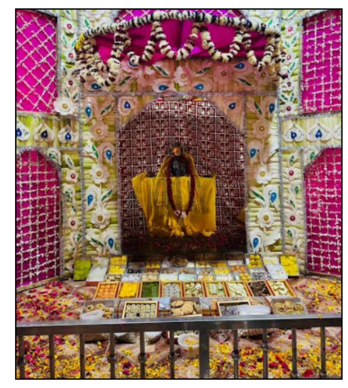

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि ब्रज में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। पावन वातावरण में मां चामुंडा-मां तुलजा भक्त मंडल के सदस्यों ने अपनी ब्रज यात्रा का शुभारंभ कर प्रभु श्रीकृष्ण की लीलास्थली में आध्यात्मिक अनुभूतियों का साक्षात्कार किया। यात्रा के पहले दिन भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं ने गोवर्धन पर्वत स्थित गोविंद कुंड पर गिरिराज महाराज का पूजन-अर्चन किया। सुबह भक्तों ने गोविंद कुंड पर पहुंचकर पंचामृत से गिरिराज जी का अभिषेक किया तथा आकर्षक फूल बंगला सजाकर प्रभु को नमन किया। संगीतमय आरती की। छप्पन भोग अर्पण के साथ वातावरण ÷जय गिरिराज महाराज÷ के जयकारों से गूंज उठा। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने वृंदावन पहुंचकर बांके बिहारी जी के अलौकिक दर्शन किए। मंदिर परिसर में भक्ति रस में डूबे भक्तों की आंखों में श्रद्धा और आनंद की झलक दिखाई दी। यात्रा के क्रम में राधा वल्लभ मंदिर, प्रेम मंदिर और इस्कॉन मंदिर के दर्शन किए। निधि वन में भ्रमण के दौरान भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की दिव्य लीलाओं का स्मरण कर भक्त भाव-विभोर हो उठे। यमुना तट पर पहुंचकर भक्तों ने मां यमुना का पूजन-अर्चन किया। यमुना जी के शांत प्रवाह और पावन तट पर बैठकर भक्तों ने ब्रज की दिव्यता को आत्मसात किया। इस अवसर पर मंडल के दुर्गेश अग्रवाल ने भक्तों को ब्रजधाम के ऐतिहासिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, रासलीला और गोवर्धन पर्वत की महिमा आज भी भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती है। भक्तों में उल्लास, अनुशासन और सेवा भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं का कहना है कि ब्रज की भूमि पर आकर मन को जो शांति और आत्मिक आनंद प्राप्त होता है, वह जीवन भर स्मरणीय बन जाता है।

एमपी यूथ गेम्स- 2026 का आयोजन 11 से 31 जनवरी 2026 तक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेलो को बढ़ावा देने के उदेश्य से मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा 11 जनवरी 2026 से चार चरणो में खेलो एम.पी. यूथ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त आयोजन खेल और युवा कल्याण विभाग और संबंधित खेल संघो के समन्वय से होगा।

जिसमें एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, योगासन, कुश्ती, मलखंभ, हॉकी, जूडो, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिन्टन, वेटलिफ्टिंग, टेनिस, शतरंज, ताईक्वांडो, शूटिंग, क्याकिंग-कैनोइंग, रस्साकसी, पिट्ठ, क्रिकेट, बाक्सिंग, तैराकी, फेंसिंग, राईंग, आर्चरी खेलो को शामिल किया गया है।

ताईक्वांडो, फैंसिंग, रौईंग, क्याकिंग-कैनोईंग, शूटिंग एवं आर्चरी की प्रतियोगिता सीधे राज्य स्तर पर आयोजित होंगे। इनका आयोजन ब्लॉक, जिला अथवा संभाग स्तर नही होगा। आयोजन ब्लॉक स्तरीय, जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय एवं राज्य स्तर पर 11 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक प्रस्तावित है।आयु सीमा संबंधित राष्ट्रीय फेंडरेशन द्वारा जूनियर वर्ग के लिए निर्धारित उच्चतम आयु वर्ग अनुसार होंगे। विस्तृत जानकारी के लिए जिला खेल और युवा कल्याण विभाग कार्यालय विकास नगर देवास या दूरभाष नं. 07272258047 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अवैध कब्जा हटाने पहुंचे अमले को महिला ने दी जहर खाने की धमकी, हुआ हंगामा

नोटिस के बाद भी नहीं मिला था जवाब, प्रशासन ने सख्ती से हटाई अवैध गुमटी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। टुकरना बायपास पर नेशनल हाईवे-52 से लगी ग्राम बरवाल में स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 117/2 पर किए गए अवैध अतिक्रमण को शनिवार दोपहर करीब 12 बजे हटाया गया। इस दौरान एक महिला ने अमले को जहर खाने की धमकी दी और इस कार्रवाई का विरोध किया। जिससे वहां कुछ देर के लिए हंगामा हो गया। हालांकि टीम ने सख्ती से अतिक्रमण हटा दिया। यह कार्रवाई राजस्व विभाग, ग्राम पंचायत और पुलिस की संयुक्त टीम ने की।

जानकारी के अनुसार लगभग छह महीने पहले एक व्यक्ति ने इस भूमि पर गुमटी लगाकर अवैध कब्जा कर लिया था। इसकी शिकायत मिलने के बाद प्रशासन की ओर से संबंधित व्यक्ति को अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार नोटिस दिए जा रहे थे। नोटिस के बावजूद अतिक्रमण न हटाने पर शनिवार को संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान अतिक्रमण हटाने का विरोध करते हुए कब्जाधारी ने अधिकारियों की मौजूदगी में जहरीला पदार्थ खाने की धमकी भी दी, जिससे हंगामे की स्थिति बन गई। नायब तहसीलदार नाहिदा अंजुम ने बताया कि ग्राम बरवाल में सर्वे क्रमांक 117/2 हाईवे से लगी सरकारी जमीन है। इस पर छह महीने पहले अवैध अतिक्रमण किया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि अनावेदक की ओर से अतिक्रमण हटाने का विरोध किया गया था, लेकिन किसी ने भी जहरीला पदार्थ नहीं खाया।

नगरवासी भी पी रहे गंदा पानी, वार्ड 25 के लोगों ने की शिकायत

लोगों का आरोप कई बार शिकायत के बाद भी नही हुई सुनवाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर कहलाने वाले महानगर इंदौर में दूषित पानी ने 14 लोगों की जान ले ली। नगर के लोग भी दूषित पानी की परेशानी से जूझ रहे हैं। उनका आरोप है कि हमने कई बार दूषित पानी की शिकायत की, लेकिन आज तक हमारी सुनवाई नहीं हुई। इंदौर में हुए हादसे के बाद यहां के लोग भी पानी पीने से डरने लगे हैं।

नगर के वार्ड 25 लक्ष्मीनगर में लोगों के घरों में भी लंबे समय से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। लोगों ने नगरपालिका पर लापरवाही का आरोप लगाया है। महिला पार्षद के पति ने इसकी शिकायत की, लेकिन नहीं सुनी गई। शनिवार को नगरपालिका की टीम यहां जांच करने भी पहुंची। स्थानीय निवासी अविनाश शर्मा ने बताया कि घरों में नलों से बदबूदार और गंदा पानी कई दिन से आ रहा है। वार्ड में साफ-सफाई भी नहीं है। यहां गंदगी का अंबार है। नगर पालिका की टीम ने शनिवार को वार्ड में पाइपलाइन की जांच कर दूषित पानी के स्रोत का पता लगाने का प्रयास किया। लोगों का आरोप है कि कई दिनों से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। कई बार पार्षद माया जाटव और नगर पालिका के अधिकारियों से शिकायत की है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका।

पार्षद की भी नहीं हो रही सुनवाई- वार्ड पार्षद माया जाटव के पति सुनील पेंटर ने बताया कि नगर पालिका के जिम्मेदारों को जानकारी दी थी, लेकिन अनसुना कर दिया गया। सड़क निर्माण के दौरान इंजीनियर से नल की पाइपलाइन को नीचे करने की बात कही थी, लेकिन उस पर भी सुनवाई नहीं हुई। शिकायतों के बाद शनिवार को नगर पालिका में सहायक यंत्री सुरेन्द्र सजोतिया टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने बताया कि पेयजल की पाइप लाइन में कुछ जगह लीकेज मिला है, उसे ठीक करवा दिया जाएगा।

इनका कहना है- केवल दो वार्डों में गंदा पानी मिलने की शिकायत मिली थी। टीम ने वार्ड नंबर 25 में जाकर मुआयना कर पाइप लाइन चेक की थी। एक-दो जगह पाइप लाइन लीकेज हो रही है, उसे ठीक करवाया जा रहा है। इसके अलावा, वार्ड दो में भी शिकायत मिली है, उसे भी दिखवा रहे हैं।

- भूपेंद्रकुमार दीक्षित,
सीएमओ-नपा-शाजापुर

फिर दिखी तेंदुए की दहशत, अब मवेशियों पर किया हमला

सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने लिए पगमार्ग, लोगों से की सतर्क रहने की अपील

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में फिर तेंदुए की दहशत ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। जिसने शनिवार दोपहर में ही मवेशियों पर हमला कर दिया। हालांकि वह किसी जानवर का शिकार तो नही कर पाया, लेकिन उसके हमले से मवेशी घायल हो गए हैं। इस पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पगमार्क लेकर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों को भी सावधान रहने को कहा है।

जिले के सुंदरसी थाना क्षेत्र के खामखेड़ा गांव में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे एक तेंदुए ने मवेशियों पर हमला कर दिया। इस हमले में एक भैंस का बछड़ा घायल हो गया। वहीं एक गाय पर भी उसके नाखूनों के निशान मिले हैं। जिसके हमले से गाय किसी तरह बचकर भागने में सफल रही। जंगल में मवेशी चरा रहे ग्रामीण अंतर सिह निवासी खामखेडा ने बताया कि तेंदुए ने बछड़े और गाय पर हमला किया था। गाय के शरीर पर नाखूनों और दांतों के निशान देखकर ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और वन विभाग को घटना की सूचना दी।

पांच दिनों से मिल रही तेंदुए की सूचना- सुंदरसी क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से तेंदुए की मौजूदगी की लगातार सूचनाएं मिल रही थीं। वन विभाग ने पहले भी पगमार्क के आधार पर तेंदुए की उपस्थिति की पुष्टि की थी। शनिवार को जब मवेशियों पर हमले की सूचना मिली। इसके बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी पुष्पलता मौर्य व सुंदरसी थाना प्रभारी मनीषा शर्मा अपनी टीम के साथ जंगल में पहुंची। टीम ने मौके पर जांच की और तेंदुए के पगमार्क के निशान लिए। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्कता बरतने की हिदायत दी है।

सूचना को बताया था अफवाह, अब कर रहा हमला- ग्रामीणों ने पुलिस को तेंदुए के बारे में सूचित किया था। जब उसे सुंदरसी सांदीपनि विद्यालय के पास देखा गया था। उस समय वन विभाग ने इन खबरों को फेक बताया था। इस घटना के बाद ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। यह क्षेत्र घना जंगल और पहाडी इलाका है। इसमें नील गाय बड़ी संख्या में मोजूद है।

इनका कहना है- यह सही है कि बछड़े के शरीर पर तेंदूए के पंजे के निशान व वहां पर तेंदुए के पगमार्क मिले है। इस क्षेत्र मे तेंदुए की सक्रियता देखी जा रही है। ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

- पुष्पलता मौर्य,
वन परिक्षेत्र अधिकारी-शाजापुर

कबीर फाउंडेशन ने मनाई राष्ट्रमाता सावित्री बाई फुले की जयंती

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक समरसता में कबीर फाउंडेशन के तत्वाधान में शनिवार को राष्टमाता सावित्री बाई फुले की जन्मजयंती मनाई गई। बलाई समाज द्वारा लौंदिया रोड स्थित समाज की धर्मशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया और देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले को जन्म जयंती पर सभी ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कबीर फाउंडेशन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं संस्थापक दिलीपसिंह बामनिया ने कहा कि क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले ने अपने साहस, संघर्ष और दूरदर्शिता से समाज में शिक्षा, समानता व महिला अधिकारों की अलख जगाई। उनका जीवन सामाजिक परिवर्तन एवं मानवीय गरिमा का प्रतीक है। वे नारी सशक्तिकरण हेतु आजीवन संघर्षरत रही। मुख्य अतिथि पूर्व बीआरसी रामचंद्र चौहान, विशेष अतिथि आजाक जिला अध्यक्ष बद्रीलाल गुहाटिया, तोलाराम सिसोदिया, रामप्रसाद पाटीदार, शिवनारायण धारियां, राधेश्याम मालवीय ने भी माता सावित्री बाई फुले के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर नारायणसिंह मालवीय, बाबूलाल बोड़ाना, रामचन्द्र पारस, नागूलाल फुलेरा, रामचन्द्र मालवीय, दिनेश मालवीय, अमृतलाल मालवीय, गोकुलसिंह गहलोत सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। संचालन अनिल मालवीय ने किया।

कुएं से मिला युवक का शव, पुलिस जुटी जांच में

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के तुहेड़िया गांव में एक खेत के कुएं में एक व्यक्ति का शव तैरते हुए मिला। खेत पर पहुंचे ग्रामीणों ने कुएं में शव देखा, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सुनेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 3 से 4 बजे की है। सुनेरा थाना प्रभारी अंकित मुकाती ने बताया कि मृतक की पहचान जितेन पिता प्रहलाद सिंह राजपूत (35) निवासी तुहेड़िया के रूप में हुई है। जिस कुएं से शव बरामद हुआ है, वह मृतक के ही खेत में स्थित है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए शाजापुर जिला अस्पताल भेजा। थाना प्रभारी के अनुसार पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

सर्द मौसम में विश्व के श्रेष्ठ ठुमरी गायक उस्ताद अमानत अली ख़ां की आरामगाह पर फूलों की चादर पेश कर याद किया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगीत सम्राट उस्ताद रज्जब अली ख़ां संगीत कल्याण समिति के तत्वावधान में 3,जनवरी प्रातः 9.30, बजें भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर के गुरु विश्व के श्रेष्ठ ठुमरी गायिकी में शुमार उस्ताद अमानत अली ख़ां साब की आरामगाह पर 78, वीं पुण्यतिथि पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मनोज राजानी, समिति अध्यक्ष मोहम्मद मुनव्वर खान,स्थानीय पार्षद सोनू परमार, पार्षद प्रतिनिधि वसिम हुसैन, पूर्व एल्डरमेन पार्षद ज़ाकिर उल्ला शेख,मो.कासिम, मिरासी मुस्लिम पंचायत देवास अध्यक्ष सलमान खान, आरिफ़ ख़ान, ग़ालिब ख़ान, राजू खान,अमन ख़ान, याकूब ख़ान सहीत बड़ी संख्या में उपस्थित जनों ने कड़ाके की ठंड में फूलों की चादर पेश कर फातेहा ख्वानी पेश कर स्मरण किया। इस अवसर पर समिति की और से पार्षद प्रतिनिधि श्री हुसैन को एक मांग पत्र सौंपा गया,कि स्थानीय पठान कुआं गिरीड के पास रज्जब अली,अमानत अली एवं मशहूर शायर व लेखक नूर देवासी के नाम से भव्य स्वागत द्वार गेट निगम की और से निर्माण किया जाए जिससे आने वाले समय में जन मानस इन की स्मृति को सहज सकें।

हिंदू संगठनों ने जलाया बांग्लादेशी पीएम का पुतला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को हिंदू जागरण मंच और सर्व हिंदू समाज के सदस्यों ने बस स्टैंड पर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया। यह विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश में दीपु दास के साथ हुई घटना और वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे लगातार अत्याचारों के खिलाफ किया गया। प्रदर्शनकारियों ने नायब तहसीलदार नाहिद अंजुम को राष्टपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा गया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा मानवता और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है, जिससे क्षेत्रीय शांति प्रभावित हो रही है। वक्ताओं ने इन घटनाओं को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि भारत सरकार कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप करे और बांग्लादेश सरकार से इस घटना की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच तय कराए। साथ ही दोषियों पर कठोर कार्रवाई और वहां रह रहे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की गई। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से बस स्टैंड क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

देवास में पेयजल की गुणवत्ता पर प्रशासन सख्त, वार्ड 44-45 में कलेक्टर, निगम सभापति व आयुक्त का दौरा, मौके पर लिया पानी का सैंपल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहरवासियों को स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और नगर निगम ने जमीनी स्तर पर निगरानी तेज कर दी है। इसी कड़ी में कलेक्टर ऋतुराज सिंह, निगम सभापति रवि जैन व नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने वार्ड क्रमांक 44 (पालनगर) व 45 (नागदा) का दौरा कर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। अधिकारियों व सभापति ने न केवल पानी वितरण का जायजा लिया, रहवासियों से सीधे संवाद भी किया।

पालनगर में मौके पर जांच, पानी मानक अनुरूप- निरीक्षण के दौरान पालनगर क्षेत्र में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने स्वयं नल से पानी बोतल में भरकर सैंपल लिया। नगर निगम की तकनीकी टीम ने तत्काल मौके पर पानी की जांच की, जिसमें पानी की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाई गई।

निरीक्षण के दौरान नागदा गणेश मंदिर मार्ग पर पानी बहता पाया गया। इस पर सभापति ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वार्ड में स्वच्छता बेहद आवश्यक। अगर नलों से पानी बह रहा है तो टोटी लगाकर रोके। पानी की एक-एक बूंद कीमती है और इसकी बर्बादी नहीं की जाए।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कहा, कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के तहत शहर में सप्लाई हो रहे पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच की जा रही है। हमारा प्रयास है कि हर नागरिक को सुरक्षित और शुद्ध पेयजल मिले। जहां भी कमी मिलेगी, वहां तुरंत सुधार कराया जाएगा।

नगर निगम सभापति रवि जैन ने कहा, कि शहर में पेयजल की गुणवत्ता अच्छी है और निगम लगातार इस पर नजर रखे हुए हैं। नागरिकों से आग्रह है कि अपने नलों में टोटी अवश्य लगाएं, ताकि पानी व्यर्थ न बहे और आसपास जमा न हो। बहता पानी कई बार रिवर्स होकर अन्य नलों तक पहुंच जाता है, जिससे समस्या पैदा होती है।

उन्होंने कहा, कि यदि किसी भी क्षेत्र में गंदा पानी आ रहा हो तो तुरंत नगर निगम कॉल सेंटर में सूचना दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

निगम आयुक्त दलीप कुमार ने कहा कि शहर में शुद्ध पेयजल की सप्लाई हो रही है।

हमारी टीम लगातार इसकी मानिटरिंग कर रही है।

जनप्रतिनिधि व अधिकारी रहे मौजूद- इस अवसर पर भाजपा नेता बहादुर मुकाती, निगम लोक निर्माण समिति अध्यक्ष गणेश पटेल, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रामचरण पटेल, मुकेश मोदी, अर्जुन चौधरी, निगम प्रभारी कार्यपालन यंत्री सौरभ त्रिपाठी, उपयंत्री राजेश कौशल सहित निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास उप जेल कन्नौद में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास माननीय श्री अजय प्रकाश मिश्र के मार्गदर्शन में उप जेल कन्नौद में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास माननीय श्री अजय प्रकाश मिश्र ने निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी, साथ ही उपस्थित बंदियों से यह भी जानकारी ली कि उनके प्रकरण में वकील नियुक्त है या नहीं। साथ ही बंदियों के अधिकारों के प्रति जागरूक रहने हेतु समझाइश दी।

बड़नगर पुलिस ने पकड़ा अंतर्राज्यीय चोर गिरोह

बड़नगर मंडी प्रागंड़ से सोयाबीन से भरा ट्रक किया था चोरी

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगर के अनाज व्यापारी नरेंद्र पिता सतीश चंद्र लाठी के कृषि उपज मंडी परिसर स्थित गोडाउन के सामने सोयाबीन से भरा ट्रक चोरी हो गया था जिसकी रिपोर्ट फरियादी द्वारा बड़नगर थाने में की गई थी जिस पर कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी अशोक पाटीदार उनकी टीम ने आरोपीयो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 279 क्विंटल सोयाबीन किमती 15 लाख रुपये व 30 लाख रुपये किमती ट्रक जप्त किया। आरोपीयो को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमाण्ड लिया जाकर अन्य चोरी की घटनाओ के संबंध मे पुछताछ कि जावेगी।

घटना का विवरण - 25 दिसंबर 2025 को फरियादी नरेन्द्र पिता सतीश चन्द्र लाठी निवासी महात्मा गांधी मार्ग बड़नगर ने बड़नगर थाने में रिपोर्ट की थी कि कृषि उपज मण्डी बड़नगर मे फर्म सतीश चन्द्र, गिरिश चन्द्रके नाम से कृषि उपज का व्यवसाय करता हूं मंडी प्रागंड़ मे मोरवीनंदन प्रोटिन्स लिमिटेड नीमच भेजने के लिए मेरे गोडाऊन मण्डी परिसर बडनगर के सामने सोयाबीन से भरा ट्रक रखा था जिसमे 280 क्विंटल सोयाबीन रखी थी उक्त वाहन व वाहन रखी सोयबीन को अज्ञात आरोपी चुराकर ले गया है फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 01/2026 धारा 303(2) बीएनएस में पंजीबंद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की जाँच मे करते थाना में टीम गठित कर प्रकरण की विवेचना हेतु रवाना किया गया उक्त टीम द्वारा घटनास्थल की तस्दीक कर आरोपीयो की तलाश शुरु की। तकनीकी साक्ष्य के आधार आरोपीयो की तलाश हेतु नीमच की तरफ रवाना हुवे बाद आरोपीयो के बारे मे मुखबिर से सूचना मिलने पर जयपुर राजस्थान रवाना हुवे मुखबिर के बताये स्थान पर तलाश करते आरोपीयो का कोई पता नही चला, तकनीकी साक्ष्य व लोकेशन के आधार पर आरोपीयो का पीछा करते हुए चित्तौड़गढ पहुंचे जहाँ आरोपीयो की तलाश की परन्तु वह नही मिले जिसके बाद पुलिस टीम रतलाम पहुँची वहां भी पुलिस को सफलता नहीं मिली। इसके बाद तकनीकी साभ्य व मोबाईल लोकेशन के आधार पर आरोपीयो को सोयाबीन से भरे ट्रक सहित बदनावर के पास स्थित वंडर सीमेंट फेक्ट्री के पास से घेराबंदी कर पकड़ा आरोपीयो से नाम पुछने पर सुरजमल पिता मोहनलाल निवासी खोड़ीप थाना निंकुभ जिला चित्तौड़गढ तथा तनिष्क पिता हरकलाल निवासी ग्राम खोड़ीप थाना निंकुभ जिला चित्तौड़गढ का होना बताया बाद आरोपीयो से सोयाबीन से भरा ट्रक के बारे मे पुछने पर आरोपीयो द्वारा बताया कि ट्रक क्रमांक RJ-27 GC-8565 के ड्राईवर सुरजमल ने एस. एस. ट्रांसपोर्ट बड़नगर के माध्यम से माल (भाड़ा) के लिये सम्पर्क किया बाद एस. एस. ट्रासंपोर्ट के द्वारा फरियादी से सम्पर्क कर मोरबीनदं प्रोटीन्स नीमच के लिये सोयाबीन भरवाई थी लेकिन ड्रायवर द्वारा भाड़ा ले जाने के लिये भरी सोयाबीन मोरवीनदंन प्रोटिन्स न पहुँचा कर चोरी कर ली आरोपीयो के कब्जे से 279 क्विंटल सोयाबीन कीमती 15 लाख व 30 लाख किमती ट्रक कुल किमती 45 लाख रुपये बरामद किया गया। प्रकरण मे गाड़ी मलिक से पुछताछ कि जायेगी प्रकरण मे धारा 316(2) बीएनएस का ईजाफा किया गया बाद आरोपीयो से अन्य घटनाओ के बारे मे पुछताछ पर आरोपी सुरजमल द्वारा कुछ दिन पहले भीलवाड़ा राजस्थान से लोहे का सरिया चोरी करना बताया। गया। आरोपीयो को न्यायालय पेश कर अन्य घटनाओ के बारे मे पुछताछ के लिये रिमांड़ लिया जायेगा।

सराहनीय भूमिका- निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उनि. सुरेन्द्रसिंह गरवाल, उनि.प्रतीक यादव (साईबर सेल) प्र.आर.राजपालसिंह चंदेल (साईबर सेल), प्र.आर. राहुलसिंह राठौर, प्र.आर. हेमराज खरे, आर. महेश मौर्य, आर. रोहित मालवीय, आर. नारायण सरा, आर. मनोज बैरागी आर अजय चौहान, सै. अमरसिंह चौहान की सराहनीय भुमिका रही।

डॉ बी आर अंबेडकर यूथ फाउंडेशन नेपानगर

नेपानगर/ राजेश पटेल लारा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। 33वां आदिवासी महासम्मेलन चैनपुरा तहसील नेपानगर जिला बुरहानपुर में संपन्न होने जा रहा है जिसके अंतर्गत आज 3 जनवरी 2026 को डॉ बी आर अंबेडकर यूथ फाउंडेशन नेपानगर के द्वारा सभी ने सम्मेलन स्थान पर पहुंचकर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त की एवं संगठन की ओर से डॉ बी आर अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित करने की जो मुहिम चलाई जा रही है उसके परिपेक्ष में बिलर सिंह जमरा एवं उनकी कमेटी से मुलाकात कर अपनी कार्य गतिविधि साझा की गई। इस दौरान आदिवासी विकास परिषद से श्री बिलर सिंह जमरा एवं अन्य पदाधिकारी साथ ही डॉ बी आर अंबेडकर यूथ फाउंडेशन नेपानगर कीओर से अध्यक्ष सुनील मोरे, सलाहकार प्रभाकर अड़कमोल, महासचिव प्रणय गवली, उपाध्यक्ष सुनील शिंदे, सचिव अकरम खान, एवं अन्य सदस्यों उपस्थित थे।

4 वर्षीय बालक के अपहरण की सूचना से मचा हड़कंप

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। बड़नगर पुलिस थाने में उसे समय हड़कंप पहुंच गया जब मोहनपुर निवासी पति पत्नी दौड़ते हुए थाने पर आए और बताया कि उनका 4 वर्षी बालक घर के बाहर मोबाइल से खेल रहा था उसे कोई व्यक्ति उठा कर ले गया है। 02 जनवरी 2026 को राकेश पिता श्यामदास बैरागी उम्र 40 साल निवासी मोहनपुरा बड़नगर का मय अपनी पत्नि शकुन्तला के बदहवास हालत में दौड़कर थाने पर आया और बताया कि उसका 04 वर्षीय पुत्र ओमनारायण जो घर के बाहर मोबाईल लेकर खेल रहा था संभवतः जिसे कोई उठा कर ले गया है , अपहरण की सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार द्वारा अपने अनुभव एवं मामले की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को समझते हुए तत्काल थाना स्तर पर 02 सर्चिंग टीम बनाकर सघनता से सर्चिंग की गई परिणामस्वरूप महज 30 मिनिट के अन्दर गुम बालक ओम नारायण उम्र 04 वर्ष को घर के पास से मय मोबाईल फोन के ढूंढकर सकुशल उसके माता पिता के सुपुर्द किया गया । बालक को पाकर माता पिता द्वारा खुशी जाहिर करते हुये पुलिस का आभार व्यक्त किया गया ।

रानीपुरा क्षेत्र में एलीवेटेड रोड के निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमण हटाए

एलीवेटेड रोड की बाधाएं दूर करने लगातार कार्रवाई जारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर शहर के सुनियोजित विकास में बड़े आयाम के रूप में जुड़ रहे एलीवेटेड रोड के निर्माण में अतिक्रमण की वजह से आ रहीं बाधाएं जिला प्रशासन द्वारा तेजी के साथ दूर की जा रही हैं। जिला प्रशासन की टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार की जा रही हैं। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई राजस्व विभाग की टीम ने शनिवार को मशीनों की मदद से रानीपुरा क्षेत्र में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटवाए। एलीवेटेड रोड के प्रथम चरण का काम इस अतिक्रमण की वजह से प्रभावित हो रहा था।

कलेक्टर, कमिश्नर कॉन्फ्रेंस की तैयारी का लिया गया जायजा

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव द्वारा आयोजित कलेक्टर, कमिश्नर कॉन्फ्रेंस की समीक्षा बैठक में सम्मिलित विभिन्न विषयक विभागों की थीम के आधार पर जिले में की गई तैयारियों का समीक्षा पूर्व जायजा आज अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया द्वारा संयुक्त रूप से लिया गया। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित तैयारी संबंधी बैठक में जिला स्तर पर विभागों द्वारा की गई तैयारियों की थीमवार समीक्षा की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, स्वास्थ्य एवं पोषण, रोजगार, उद्योग एवं निवेश, नगरीय विकास, सुशासन, शिक्षा, ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य, कानून व्यवस्था तथा विविध विषयों पर विभागों की तैयारियों का विस्तार से अवलोकन किया गया। बैठक के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा प्रस्तुतीकरण एवं बिंदुवार विवरण के माध्यम से तैयारियों की स्थिति की समीक्षा की। जहां आवश्यक सुधार अथवा अद्यतन की आवश्यकता पाई गई, वहां संबंधित विभागों को समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि कलेक्टरदृकमिश्नर कॉन्फ्रेंस के दौरान जिले की योजनाओं, उपलब्धियों एवं प्रगति को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित प्रारूप में जानकारी समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने विभागों के अधिकारियों से कहा है कि राज्य स्तर से- विभिन्न विभागों के कार्यों, थीम, बिंदुओं की रैंकिंग एवं निर्देश, चुनौतियां, अन्य बिंदुओं की जानकारियों पर आधारित संक्षिप्त नोट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे जिसमें योजना वार थीमवार जारी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जिले की स्थिति का उल्लेख अनिवार्य रूप प्रदर्शित हो।

शासकीय अस्पताल के हाल बेहाल, एक माह से नहीं है एक्स-रे प्लेट मैरिज हो रहे हैं परेशान

जिम्मेदारों का कहना आगे जानकारी भेज दी है

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शासकीय अस्पताल यूं तो कई मामलों को लेकर सुर्खियों में रह चुका है लेकिन इस बार बडनगर का शासकीय अस्पताल सुर्खियों में आ रहा है इसका कारण वहां लगे एक्स-रे मशीन जिसकी प्लेटे एक माह से नहीं है जिसके कारण मरीज को काफी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एक्सेल के लिए प्रतिदिन मरीज परेशान हो रहे हैं। लेकिन इस और गंभीरता से कोई भी ध्यान नहीं दे रहा है इस 1 महीने की अवधि में कितने ही मैरिज यहां परेशान हो चुके हैं बावजूद उसके एक महीना बीत जाने के बाद भी कोई सक्षम जवाबदारी अपनी जवाबदारी समझते हुए यहां पर एक-रे प्लेट लाने में सफल नहीं हुआ हैं।

बड़नगर तहसील का यह एक इकलौता शासकीय चिकित्सालय है जहां पर एक्स-रे की व्यवस्था है और यहां एक्सेल प्लेट इतने लंबे समय से नहीं है जिससे कहीं गरीब मरी जे परेशान होकर आखिरकार निजी अस्पताल में जाने को मजबूर हो गया या फिर उसे एक शेर के लिए उज्जैन जाना पड़ा होगा। बड़नगर हॉस्पिटल में एक माह तक एक्स-रे प्लेट का न आना कहीं ना कहीं जिम्मेदारों की नाकामी को उजागर कर रहा है बताया जाता है कि यहां एक्स-रे मशीन चालू है यहां एक्स-रे होते हैं लेकिन उन्हें प्रिंट नहीं किया जा सकता क्योंकि उन्हें प्रिंट करने के लिए जो प्लेट लगती है जिन प्लाटों की आवश्यकता होती है वह यहां नहीं है जब इस संबंध में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर विजेंद्र अजनार से बात की गई तो उनका कहना है कि मुझे जानकारी मिली है मैं इस संबंध में आगे शिकायत दर्ज करवाई है जब भी प्लेट उज्जैन मुख्यालय से हमें उपलब्ध करवाई जाएगी तो व्यवस्था ठीक हो जाएगी। यहां सवाल यह होता है कि आखिर कब तक इसकी क्या समय सीमा है आएगी भी या नहीं आने वाले मरीजों को इसकी कुछ तो जानकारी दी जाए ताकि वह एक्स-रे के लिए यहां परेशान ना होना पड़े। अस्पताल में एक्स-रे प्लेट नहीं होने की वजह से सबसे ज्यादा परेशानी उन मरीजों को आ रही है जो निजी हास्पिटल के एक्स-रे चार्ज को वहन नहीं कर सकते या फिर जिसे पुलिस केस में एक्स-रे की आवश्यकता है और ऐसे में तहसील के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल में एक माह से एक्स-रे प्लेट का ना होना एक गंभीर समस्या है जिसे गंभीरता से लेना होगा वरना यदि ऐसे ही आगे जानकारी भेज दी है जब वहां से हमें उपलब्ध होगी व्यवस्था सुचारू हो जाएगी कहने से काम नहीं चलेगा इसमें जिम्मेदारों को आगे आना होगा और शासकीय अस्पताल में एक माह से एक्स-रे प्लेट नहीं होने की वजह से जो समस्याएं जो तकलीफ मरीजों और उनके परिवारों को झेलनी पड़ रही है उनसे उन्हें छुटकारा मिल सके खैर अब देखना यह होगा कि कौन जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए बड़नगर शासकीय अस्पताल में एक्सरे मशीन की प्लेट कब तक पहुंचती है और जनता को मरीज को हो रही इस गंभीर समस्या से कब तक छुटकारा मिल पाता है यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा हां बड़नगर अस्पताल में एक्सरे मशीन की प्लेट नहीं होने की वजह से परेशानी हो रही है जिसकी जानकारी वरिष्ठ कार्यालय को दे दी गई है मैं वरिष्ठ कार्यालय के सत्र संपर्क में हूं आज सुबह भी मेरी वरिष्ठ कार्यालय उज्जैन में टेक्सचर मशीन की प्लेट ऑफिस के संबंध में चर्चा हुई है अभी हमें उज्जैन मुख्यालय से एक्सेल मशीन की प्लेट उपलब्ध नहीं हुई है प्लेट उपलब्ध होने पर व्यवस्था सुचारू हो जाएगी।

- विजेंद्र अजनारे ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर

स्वतंत्रता सेनानी ठाकुर चंपालाल भाईजी की 46 वीं पुण्यतिथि मना उनके कार्यों को याद किया

सन 1952 में मिडिल स्कूल खुलवाने हेतु स्वयं की 12 बीघा निजी भूमि सरकार को दान दे स्कूल खुलवा ग्रामीण शिक्षा के अग्रदूत बने - डॉ.पंड्या

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय ठाकुर चंपालाल भाईजी की 46 वीं पुण्यतिथि अखिल भारतीय औदिच्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण पटेल के मुख्यातिथ्य में मां भवानी वेयर हाउस पर मनाई गई । विशेष अतिथि के रूप में डॉ .राकेश पंड्या उज्जैन , भूपेंद्रसिंह पंड्या पूर्व सरपंच सोहड़, करणसिंह पंड्या पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन बड़नगर थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा निवृत शिक्षक ओमप्रकाश पंड्या ने की । प्रारंभ में अतिथियों ने भाईजी के चित्र पर पुष्प माला चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए । इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण पटेल एवं सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राकेश पंड्या को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर उपस्थित गणमान्यजनों ने मालवा की परंपरा अनुसार साफ़ा बांध कर पुष्प मालाओं से स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि भाईजी जैसे महापुरुष आज बहुत कम देखने को मिलते हैं । देश को स्वतंत्र कराने में इन लोगों का अहम योगदान रहा है। इन्होंने गांव गांव आजादी की अलख जगाई । साथ ही आप 20 वर्षों तक निर्विरोध गांव के प्रधान पद पर आसीन रहे और उस समय गांव के विकास का मार्ग प्रशस्त किया । वही डॉ.राकेश पंड्या ने कहा कि भाईजी साहब जैसी पुण्य आत्मा का जन्म बहुत ही कम होता है। आप शिक्षा के प्रति बहुत ही संवेदनशील रहे और सन 1952 में मिडिल स्कूल खुलवाने हेतु स्वयं की 12 बीघा निजी भूमि सरकार को दान दे स्कूल खुलवाया । और स्कूल बनवा कर ग्रामीण शिक्षा के अग्रदूत बने । उसी का परिणाम रहा कि शिवराज सरकार में शिक्षा मंत्री रहे पारसचंद्र जैन ने तत्कालीन विधायक मुकेश पंड्या के साथ मिलकर शासन की योजना अनुसार उक्त स्कूल का नाम कारण स्वर्गीय ठाकुर चंपालाल भाईजी शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करा । आज की

नई पीढ़ी को इन लोगों के त्याग,तपस्या से प्रेरणा ग्रहण करना चाहिए । इस अवसर पर भेरूलाल पटेल अध्यक्ष औदिच्य ब्राह्मण समाज बड़नगर, रमेशचंद्र शर्मा , वासुदेव रावल पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, नवलसिंह पटेल पूर्व अध्यक्ष औदिच्य ब्राह्मण समाज बड़नगर , गोवर्धनसिंह पटेल मनियावदा, ऐडवोकेट दिलीपसिंह पंड्या रतलाम , सवाईसिंह पटेल , बद्रीलाल आचार्य,रामेश्वर व्यास आदि ने भी संबोधित किया । इस अवसर पर पूर्व सरपंच देवनारायण व्यास ,मधुसूदन भारद्वाज अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस बड़नगर, तरुण आचार्य पार्षद प्रतिनिधि ,विजेंद्र गोसर पार्षद ,कुशल गेहलोत पार्षद प्रतिनिधि , राजेंद्र व्यास पूर्व जनपद सदस्य सांवेर,मनोहरलाल शर्मा पूर्व अध्यक्ष सेवादल , धनसिंह जागीरदार , राजेश भाईजी , एडवोकेट विश्वास पंड्या , नारायणसिंह पंड्या प्रबंधक सेवा सहकारी संस्था , अनिल पंड्या ,विमल पंड्या अध्यक्ष चारभुजानाथ मंदिर,अरविंद शर्मा ,शैलेंद्र भारद्वाज , प्रवीण कुमार पंड्या ,प्रद्युम् पंड्या ,सुनील भारद्वाज ,आदि गणमान्यजन उपस्थित थे । स्वागत भाषण व अतिथि परिचय पूर्व जनपद सदस्य डीपी भाईजी ने दिया । कार्यक्रम का संचालन मनीष पंड्या ने किया व आभार एडवोकेट सचिन पंड्या ने माना । उक्त जानकारी प्रशालसिंह पंड्या ने दी।

निर्धारित शेड्यूल के तहत हो पेयजल टंकियों की नियमित सफाई

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सभी पेयजल टंकियों की सफाई निर्धारित शेड्यूल के तहत नियमित रूप से कराएं। सभी टंकियों पर सफाई की तिथिवार सूचना भी प्रदर्शित करें। साथ ही शहर की ऐसी बस्तियां जहाँ बार-बार गंदे पानी की समस्या निर्मित होती है उन बस्तियों सहित शहर की अन्य बस्तियों के पानी की प्रयोगशाला बैक्टीरियल जाँच कराएं। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान शहर की पेयजल आपूर्ति की समीक्षा के दौरान नगर निगम के अधिकारियों को दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश है कि हर बस्ती के निवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो। इसलिए इस काम में जरा सी भी ढिलाई व लापरवाही नहीं होना चाहिए। शनिवार को बाल भवन के एक्यूआई सेंटर में आयोजित हुई समीक्षा बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव, श्री प्रदीप तोमर, श्री मुनीष सिकरवार सहित जलप्रदाय एवं सीवर के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा शुद्ध पेयजल आपूर्ति को लेकर पूरी सतर्कता व गंभीरता बरतें। पेयजल संबंधी शिकायत किसी भी माध्यम से मिले उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। निराकरण के साथ-साथ पानी की सैम्पलिंग कराकर अनिवार्यतः प्रयोगशाला में जांच भी कराएं। उन्होंने कहा सभी क्षेत्राधिकारी अपने अपने क्षेत्र में जल प्रदाय के संबंध में आने वाली शिकायतों की गंभीरता से मॉनिटरिंग करें। नगर निगम की वाटर टेस्टिंग लैब को अपग्रेड करने के लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी उन्होंने दिए।

जूनियर एग्जीक्यूटिव की पोस्ट के लिए विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा ली

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। 2 जनवरी 2026 को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बडनगर में स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ दवारा पैकेजिंग कंपनी VACMET India Ltd. को Campus placement प्रक्रिया के लिए आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. कविता मांडरे द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार उदिवाल द्वारा दिया गया। VACMET India Ltd. कंपनी के GM-HR & Administration श्री विजय नाइडू , senior manager -Quality control श्री पी.एन मिश्रा एवं पवन सोमानी selection प्रक्रिया के लिए उपस्थित हुए। जूनियर एग्जीक्यूटिव की पोस्ट के लिए विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा ली गई और इसके उपरांत साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया गया। श्री विजय नाइडू द्वारा कंपनी की स्थापना, उद्देश्य आदि की जानकारी दी गई। पी.एन. मिश्रा द्वारा candidates के Bio-data. Exam ली गई तत्पश्चात साक्षात्कार लिया गया। आभार स्मिता गिरगुने ने दिया। कैंपस प्लेसमेंट में महाविद्यालय के प्रो. अनिमेष शर्मा, प्रो. मनोहर निगवाल, प्रो. संजय जोहराम उपस्थित रहे।

कलेक्टर और निगमायुक्त ने की विकास कार्यों की समीक्षा

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह एवं निगमायुक्त श्री राम प्रकाश अहिरवार ने शहर के विकास और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ स्मार्ट सिटी कार्यालय में बैठक की। इस बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की प्रगति का बारीकी से विश्लेषण किया और शहर की तस्वीर बदलने के साथ अन्य कार्यों को भी बेहतर ढंग से करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फ़िल्टर प्लांट मशीन की उडी धज्जियां, फिटकरी और बिलिचिंग पावडर डालकर पानी सप्लाय

जनप्रतिनिधियों के औचक निरक्षण से खुली जल विभाग की पौल

अमझेरा/ आशीष-पंचोली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर अमझेरा मे जल शक्ति विभाग का बड़ा कारनामा सामने आया है एक तरफ मोदी सरकार जल जीवन मिशन को संदर्भित करती है, जिसका लक्ष्य हर ग्रामीण घर में नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाना है, और वही ग्राम अमझेरा जिसे मुख्यमंत्री मोहन यादव जल्द ही तीर्थ नगरी बनाने वाले ही उसी नगरी मे राजा बख्तावर जलाशय फिल्टर प्लांट का जनप्रतिनिधियों द्वारा शनिवार को निरक्षण किया गया जिसमे अमझेरा नगरवासियों को दूषित जल काली कंजी का बदबूदार मटमेला पानी नगर मे सप्लाय किया जा रहा है बात का पता लगने पर नगर मे सनसनी फैल गई और नगरवासी दहशत मे आ गए है इंदौर भागीरथ पूरा घटना अभी खत्म हुई नहीं की नगर अमझेरा मे दूषित पानी घटना का नया मोड आ गया है नगर मे 3000 नगर वासी अपना जीवन यापन करते है उसी जलाशय से नगर मे गंदे पानी को ठेकेदार और विभाग के कर्मचारी फिटकरी और बिलिचिंग पावडर डालकर नगर में सप्लाय कर रह है जबकि वर्षो से फिल्टर प्लांट मशीन बंद पड़ी आज से कई वर्ष पूर्व नगर वासियों ने शुद्ध जल का सपना देखा था जो की पूरी तरह बिखर गया है नगरवासियों की कड़ी मेहनत से फिल्टर प्लांट योजना शुरू हुई थी जिसमें प्रावधा और नियम अनुसार टेकदार को पानी फिल्टर कर सप्लाय करना है शनिवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय दिक्षित, जनपद सदस्य प्रतिनिधि शुभम दीक्षित अन्य जनप्रतिनिधि डेम पर पहुंचे तो वो डेम देखकर दंग रह गए है जनप्रतिनिधियों ने फिल्टर प्लांट की हालत देखकर तत्काल सरदारपुर पीएचई विभाग में फोन लगाकर अफसरों को बुलाया। विजय दिक्षित और शुभम दीक्षित ने बताया कि प्लांट की मशीन बंद है जबकि गाद जमा हुआ पानी कुएं टंकी में एकत्रित किया जा रहा है उक्त पानीं में फिटकरी और बिनचिंग पावडर डाल दिया जाता है जिसे पानी का रंग बदल जाता है और वही पानी नगर वासियों को सप्लाई कर नगरवासियों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है अस्पताल के अंतर्गत भी आज कल पेट समस्या को लेकर मरीज मिल रहे है इंदौर भागीरथ पूरा घटना को लेकर आज भी जल व्यवस्था ठप पड़ी है वही अमझेरा मे भी जल विभाग अधिकारी से कोई उमीद नजर नहीं आ रही है। एसडीओ पीएचई सरदारपुर नवलकिशोर भूरियाने बताया की समय पर फ़िल्टर की सफाई की जा रही है जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई शिकायत को विभागीय कर्मचारियों को भेज दिया है पानी फिल्टर करके सप्लाई किया जाएगा।

नगरवासियों के सपनों का घोटाला- अमझेरा राजा बख्तावर जलाशय फिल्टर प्लांट योजना प्रदेश की पहली ऐसी योजना थी जिसके लिए नगरवासियों ने ने घर घर राशि जुटाकर सरकार को 13 लाख एकत्रित कर जमा किए थे उक्त राशि के बदले शासन ने 5 करोड़ 4 लाख रुपए की नल जल फिल्टर प्लांट योजना स्वीकृत कर निर्माण किया था, वर्ष 2020 में पानी सप्लाई शुरू हुआ, बताया जा रहा हे कि शुरुवात में फिल्टर मशीन चालू थी लेकिन बाद जब से बंद हुई उक्त मशीन को पुनः शुरू नहीं किया गया फिल्टर प्लांट योजना के अंतर्गत ढेकेदारो द्वारा पूरी सड़क बीच से खोदकर नगर को बेहाल कर दिया था जिसकी भरपाई अभी तक पूरी नही हुई कि एक नई जल की विकराल समस्या आ गई है।

नगरीय नल जल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत पेयजल गुणवत्ता की सतत मॉनिटरिंग एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम हेतु दिशा-निर्देश जारी

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय नल जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से नागरिकों को प्रदाय किए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं जलजनित बीमारियों जैसे उल्टी-दस्त, हैजा आदि की रोकथाम हेतु जिले स्तर पर समन्वित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्देशानुसार, नगरीय निकायों के उन क्षेत्रों का चिन्हांकन किया जाएगा जहाँ पूर्व में जलजनित बीमारियों का प्रकोप रहा है। इन क्षेत्रों में बीमारियों के फैलने के कारणों की पहचान कर, उन्हें दूर करने हेतु की गई एवं की जाने वाली कार्यवाहियों को सूचीबद्ध किया जाएगा। इसके अतिरिक्त क्रिटिकल क्षेत्रों जैसे लो-लाइंग एरिया, नालोंध्नालियों को क्रॉस कर बिछाई गई पाइपलाइन वाले क्षेत्र, पुरानी एवं क्षतिग्रस्त पाइपलाइन वाले क्षेत्र जहाँ बार-बार टूट-फूट की शिकायतें प्राप्त होती हैं, का भी चिन्हांकन कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक निवारक कार्यवाही की जाएगी।

शहरों एवं नगरों में पेयजल योजना से प्रदाय किए जाने वाले जल की गुणवत्ता से संबंधित प्राप्त शिकायतों, उनके निराकरण हेतु की गई कार्यवाही तथा गुणवत्ता खराब होने के कारणों को सूचीबद्ध कर, भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए आवश्यक च्तमअमदजपअम डमेंनतमे अपनाए जाएंगे।

पेयजल प्रदाय योजनाओं की राइजिंग मेन एवं जल वितरण नलिकाओं में स्थापित वॉल्व एवं वॉल्व चैम्बर के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में उनके सुधार कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से कराए जाएंगे, ताकि पेयजल की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

शहरी क्षेत्र झाबुआ में ट्रक/भारवाहक वाहनों के प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया

प्रतिबंधित मार्ग पर प्रातः 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला झाबुआ नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ श्री चंदरसिंह सोलंकी ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्गों पर ट्रक/भारवाहक वाहनों के झाबुआ शहर में प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया।

स्थान एवं प्रतिबंधित मार्ग पर प्रातः 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिसमें भोयरा रोड़ अमृत आर ओ वाटर प्लांट- कुंदनपुर व पिटोल से आने वाले भारी वाहन, करड़ावद हनुमान मंदिर- गुजरात दाहोद, पिटोल, थान्दला व मेघनगर मार्ग से आने वाले भारी वाहन, रंगपुरा अंडर ब्रिज हाईवे- कल्याणपुरा, रायपुरिया, पेटलावद, रतलाम व बदनावर मार्ग से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन एवं राणापुर रोड पर महर्षि त्रिपुरा नर्सिंग कॉलेज तिराहा- राणापुर, जोबट, आलीराजपुर, बड़वानी व छोटा उदयपुर (गुजरात) से आने वाले भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।

पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि शहरी क्षेत्र झाबुआ में जनवरी 2025 से वर्तमान तक लगभग 54 वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। कस्बा झाबुआ में भारी वाहनों के कारण जाम लगना, आम जनता एवं स्कूल के बच्चों की जान का खतरा बना रहता है। शहर में वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के उद्देश्य से कस्बा झाबुआ (शहरी क्षेत्र झाबुआ) में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया गया है।

प्रतिबन्ध से मुक्त वाहन- यह प्रतिबन्ध केवल भारवाहनों के लिए लागू है। शेष हल्के वाहन जैसे कार/जीप गतिसीमा अधिकतम 40 कि.मी. प्रति घण्टा तथा दोपहिया वाहन यथावत पूर्ववत् आवागमन कर सकेंगे। आपातकालीन एवं मूलभूत सुविधाओं में संलग्न वाहन जैसे फायरबिग्रेड, नगर निगम की सेवाओं में लगे वाहन, पुलिस वाहन, सेना के वाहन, विद्युत मण्डल के कार्य में संलग्न वाहन, कृषि उपज मण्डी में लगे वाहन, यात्री बसें, स्कूल वाहन/बसें, दुग्धवाहन, पेट्रोल, डीजल, कैरोसीन, एलपीजी गैस जो शहर के भीतर ही स्थित प्रतिष्ठानों पर लोडिंग-अनलोडिंग करेंगे, को प्रतिबंधित समय में शहरी क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति होगी साथ ही उक्त भारी वाहनों के लिए शहरी क्षेत्र में गतिसीमा अधिकतम 20 कि.मी. प्रतिघण्टा रहेगी। किसी विशेष भारी वाहन को विशेष परिस्थितियों में शहर में प्रवेश की अनुमति अपर जिला मजिस्ट्रेट झाबुआ द्वारा दी जा सकेगी।

प्रतिबंधित घोषित किये गये क्षेत्र में मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 116 के अन्तर्गत नियमों का पालन कराये जाने हेतु उक्त मार्गों के प्रवेश स्थान पर आवश्यक सूचना एवं समुचित यातायात चिन्ह लगवाये जाये। आदेश का क्रियान्वयन यातायात पुलिस की तैनाती करते हुए भारी वाहनों के प्रवेश को रोका जाए। उक्त आदेश 03 जनवरी 2026 से 02 फरवरी 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

अब जिले में ई-टोकन प्रणाली से किसानों को उर्वरक वितरण होगा

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्पूर्ण मध्यप्रदेश सहित जिले में भी 01 जनवरी से उर्वरकों का वितरण ई-टोकन प्रणाली से होगा । ई-विकास प्रणाली के संबंध में 02 जनवरी 2026 को कार्यालय कलेक्टर के सभागृह मे प्रशिक्षण आयोजित किया गया । प्रशिक्षण में जिले के सहकारी एवं निजी क्षेत्र के उर्वरक विक्रेताओं शामिल हुये है । प्रशिक्षण में बताया गया कि किसानों की भूमि की जानकारी जैसे क्षेत्रफल, फसल प्रकार आदि की जानकारी एग्री स्टेक पोर्टल से प्राप्त कर उर्वरक की आवश्यकता का अनुमान लगाया जाता है। ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक प्राप्त करने के लिये किसान को फार्मर रजिस्ट्री / फार्मर आईडी बनाना अनिवार्य होगा । फार्मर आईडी क्षेत्र के पटवारी या लोकल युथ से सम्पर्क कर बनाई जा सकेगी फार्मर रजिस्ट्री होने के बाद किसान का ई-विकास पोर्टल पर पंजीयन किया जाकर ई- टोकन जारी किया जायेगा, जिसके आधार पर किसान नजदीक के डीलर फसल की मांग अनुसार उर्वरक प्राप्त कर सकेगें। क्रिस्प के श्री निमेश जैन भोपाल से लाईव जुड़कर ई-विकास प्रणाली पोर्टल पर आईडी जनरेट से लेकर टोकन जारी करना, उर्वरक वितरण तक की विस्तृत जानकारी दी गई । ई-विकास प्रणाली किसानों को उर्वरक वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता और सुगमता प्रदान करने हेतु विकसित की गई है। ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत किसानों को उर्वरक प्राप्ति के लिए एक डिजिटल टोकन प्रदान किया जाता है, जिसमें उनकी आवश्यकतानुसार उर्वरक की मात्रा, वितरण केंद्र, तिथि एवं समय का उल्लेख होता है। इससे वितरण केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ कम होती है, और किसानों को लंबी कतारों से राहत मिलती है। उक्त प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर सोहन कनास, उप संचालक कृषि के.सी. वास्केल, जिला विपणन अधिकारी आर. टेम्बरे, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी संजय शर्मा आदी।

दिव्यांगजनों के लिए एडाप्टिव श्रेणी के ड्राइविंग लाइसेंस हेतु विशेष शिविर का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार सामाजिक न्याय विभाग एवं परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को आरटीओ कार्यालय परिसर में दिव्यांगजनों के लिए एडाप्टिव (विशेष) श्रेणी के ड्राइविंग लाइसेंस निर्माण हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिले के दिव्यांगजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए लाइसेंस के लिए आवेदन किया। इस दौरान कुल 30 लर्निंग लाइसेंस एवं 02 परमानेंट लाइसेंस जारी किए गए। उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सांवले ने बताया कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक जिले में कुल 102 दिव्यांगजनों के परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती कृतिका मोहटा ने जानकारी दी कि दिव्यांग व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस विशेष श्रेणी में बनाए जा रहे हैं। जिन दिव्यांगजनों के आज लर्निंग लाइसेंस जारी किए गए हैं, उनके 45 दिवस पश्चात परमानेंट लाइसेंस बनाए जाएंगे। शिविर के दौरान बिरसा मुंडा समिति से श्री राकेश मेड़ा एवं श्री दिलीप भूरिया, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री प्रियंक पाटीदार तथा जिला परिवहन कार्यालय से श्रीमती पूजा डामोर, श्रीमती रश्मी गामड़, श्री विनायक सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दूषित पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दूषित पानी के सेवन से जिले में जल-जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी एस बघेल द्वारा आमजन के लिए आवश्यक सावधानियों संबंधी एडवाइजरी जारी की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि दूषित पानी के उपयोग से उल्टी-दस्त, पेचिश, हैजा, टायफाइड जैसी संक्रामक जल-जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इन बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता बनाए रखना एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इस संबंध में आमजन से निम्न सावधानियाँ अपनाने की अपील की गई है– पीने के लिए केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी का उपयोग करें। शौचालय के उपयोग के उपरांत हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोएँ। ताज़ा एवं स्वच्छ भोजन का ही सेवन करें तथा बासी खाद्य पदार्थों से परहेज रखें। पके हुए भोजन एवं खाद्य सामग्री को ढककर रखें, जिससे वह मक्खियों एवं धूल से दूषित न हो सके।पानी के लिये सुरक्षित पेयजल स्रोत का ही उपयोग करें। यदि पानी के दूषित होने की आशंका हो तो क्लोरीन की गोली का उपयोग करें अथवा पानी को उबालकर ही पीएँ। खुले, कटे हुए अथवा सड़े-गले फलों एवं बाजार में खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। सब्जियों एवं फलों को स्वच्छ पानी से धोकर एवं साफ चाकू से काटकर ही उपयोग में लाएँ। शौचालय को स्वच्छ रखें एवं खुले में शौच न करें।

जिला प्रशासन द्वारा सभी नगरीय निकायों के फिल्टर प्लांटों का संयुक्त निरीक्षण

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन द्वारा आज जिले के सभी नगरीय निकायों में संचालित फिल्टर प्लांटों का संयुक्त रूप से निरीक्षण कराया गया। यह निरीक्षण नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा जल प्रदाय व्यवस्था की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान फिल्टर प्लांटों में जल शोधन की प्रक्रिया, केमिकल डोजिंग, जल परीक्षण व्यवस्था, मशीनरी की कार्यशील स्थिति, साफ-सफाई एवं संधारण कार्यों की विस्तार से जांच की गई। अधिकारियों द्वारा जल की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप परीक्षण रिपोर्ट का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के समय जहां-जहां कमियां पाई गई, वहां संबंधित निकाय अधिकारियों को तत्काल सुधार कार्य करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों का निरीक्षण

जिले में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निरीक्षण एवं गुणवत्ता परीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले के समस्त नगरीय निकायों में अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा बैठक लेकर वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना रहा।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, उच्च स्तरीय टंकियों एवं सम्प टैंकों की नियमित सफाई एवं निरीक्षण किया जाए तथा क्लोरीनेशन व्यवस्था की 24×7 निगरानी रखी जाए, रिपोर्ट का संधारण किया जाए, किसी भी क्षेत्र में दूषित जल की शिकायत मिलने पर तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही की जाए, आमजन से संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक नगरीय निकाय द्वारा हर वार्ड के न्यूनतम 10 प्रतिशत घरों से जल के रेंडम सैंपल लेकर परीक्षण कराया जाए, जिसका क्रॉस एग्जामिनेशन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा अनिवार्य रूप से कराया जाए। पेयजल के सैंपल नियमित रूप से लेकर BIS मानक के अनुरूप गुणवत्ता परीक्षण कराया जाए और जहाँ भी E-Coli/Coliform अथवा अन्य मानकों से अधिक प्रदूषण पाया जाए, वहाँ तत्काल जल आपूर्ति रोककर वैकल्पिक सुरक्षित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही Residual Chlorine की मात्रा 0.2 PPM से कम एवं 1 PPM से अधिक न होने पाए, इसके लिए आवश्यकतानुसार क्लोरीन बूस्टिंग की जाए तथा नगरीय क्षेत्रों के कुएँ, बावड़ी, तालाब एवं नलकूपों में निर्धारित मानकों के अनुसार ब्लीचिंग पाउडर की डोजिंग सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि जिले के समस्त नगरीय निकायों में जल वितरण प्रणाली का त्वरित सर्वे कर 20 वर्ष से अधिक पुरानी एवं बार-बार लीकेज वाली पाइपलाइनों तथा नाली/सीवर के समीप से गुजरने वाली पाइपलाइनों को चिन्हित किया जाए और सभी चिन्हित रिसावों की मरम्मत 48 घंटे के भीतर सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में झाबुआ नगर के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सुश्री अवनधती प्रधान द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए। साथ ही बस स्टैंड स्थित पानी की टंकी तथा थांदला गेट क्षेत्र में जल आपूर्ति के नमूने नगर पालिका झाबुआ द्वारा जांच हेतु एकत्रित किए गए।

थांदला में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री महेश मंडलोई द्वारा किया गया।इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 13 का संयुक्त दल द्वारा सर्वे किया गया, जहां रहवासियों से चर्चा कर जल सैंपल कलेक्ट किए गए। नगर परिषद की जलप्रदाय व्यवस्था से क्षेत्रवासी संतुष्ट नजर आए।

पेटलावद में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, जल टंकियों एवं वार्ड क्रमांक 01 का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा द्वारा किया गया। साथ ही पेयजल आपूर्ति के संबंध में सीएमओ एवं पीएचई के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मेघनगर में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती रितिका पाटीदार द्वारा किया गया। नगर परिषद सीएमओ द्वारा लिए गए जल सैंपलों की निकाय प्रयोगशाला में सभी मानकों पर जांच कराई गई। साथ ही पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा हेतु सीएमओ, पीएचई एवं एमपीयूडीसी के साथ बैठक ली गई।

राणापुर में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण नायब तहसीलदार एवं नगर परिषद सीएमओ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, एसडीओ पीएचई एवं सीएमओ उपस्थित रहे।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 सफाई अभियान और जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत जिले की समस्त नगरीय निकायों में स्वच्छता टूलकिट के मानकों के अनुरूप कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद सेंधवा और बड़वानी द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और रोग-मुक्त बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। मुख्य गतिविधियाँ और पहलः- 1.डोर-टू-डोर जागरूकताः सेंधवा नगर पालिका द्वारा वार्डों में घर-घर जाकर नागरिकों को गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण का महत्व समझाया जा रहा है। लोगों को घर पर ही गीले कचरे से जैविक खाद बनाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

2.नाला-नाली सफाई अभियानः- वर्तमान मासिक कैलेंडर के अनुसार, जलभराव की समस्या से निपटने और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख नालों और वार्डों की नालियों की गहन सफाई की जा रही है। 3.टूलकिट आधारित तैयारीः- बड़वानी नगर पालिका द्वारा भारत सरकार के टूलकिट मापदंडों के अनुसार सड़कों, डिवाइडरों और स्मारकों की विशेष धुलाई व सफाई की जा रही है।

जिले में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरु के के निर्देशानुसार जिले के सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। इन कैंपों के माध्यम से किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक किसान इस प्रक्रिया से जुड़ सकें। ग्राम बैजनाथ, ग्राम कौड्यानाथू, लाऊखेड़ी , ग्राम निपानिया कला, ग्राम चुपाडीया, ग्राम डाबरी, ग्राम पगारिया राम, ग्राम खाचरोद, ग्राम डेंडी, ग्राम काजीखेड़ी, ग्राम बकतरा, ग्राम दरखेड़ा, ग्राम चनोठा, ग्राम मालीपुराग्राम बजाखेड़ी, ग्राम सेवनिया सहित अनेक गांवों में कैंप लगाए गए।

कलेक्टर श्री बालागुरु के ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं एवं लाभों का सीधा और पारदर्शी लाभ मिल सकेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि कैंप के दौरान किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के महत्व की जानकारी दें और उन्हें रजिस्ट्री कराने के लिए प्रेरित करें।

कलेक्टर ने जिले के समस्त किसानों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी ग्राम पंचायत में आयोजित कैंप में उपस्थित होकर अनिवार्य रूप से अपनी फार्मर रजिस्ट्री कराएं, ताकि भविष्य में किसी भी शासकीय योजना या सुविधा का लाभ प्राप्त करने में उन्हें कोई कठिनाई न हो।

तकनीक, आत्म विश्वास और स्वावलंबन की मिसाल बनी नमो ड्रोन दीदी योजना

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नमो ड्रोन दीदी' योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मविश्वास, स्वावलंबन और आधुनिक तकनीक से जुड़ाव का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही है, बल्कि कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक के विस्तार को भी गति दे रही है।

योजना में महिलाओं को ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्रदान कर ड्रोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे कृषि कार्यों में उर्वरक एवं कीटनाशक छिड़काव जैसी सेवाएँ देकर नियमित आय अर्जित कर सकें। वर्तमान में प्रदेश में 89 'नमो ड्रोन दीदियों' को पायलट प्रशिक्षण देकर ड्रोन संचालन के लिए सक्षम बनाया गया है।चालू वित्तीय वर्ष में एक हजार से अधिक महिलाओं को चिन्हित कर प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य सरकार द्वारा ड्रोन क्रय के लिए 10 लाख रुपये की लागत पर 80 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। हितग्राही महिला को केवल 50 हजार रुपये का अंशदान करना होता है, जिससे यह योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए सहज और सुलभ बन रही है।

'नमो ड्रोन दीदी' योजना के अंतर्गत महिलाओं को ड्रोन उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे कृषि कार्यों में आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग कर सकें। ड्रोन के माध्यम से उर्वरक एवं कीटनाशकों का छिड़काव कर महिलाएं न केवल समय और श्रम की बचत कर रही हैं, बल्कि किसानों को भी किफायती और सटीक सेवाएँ उपलब्ध करा रही हैं।

नमो ड्रोन दीदी योजना की मदद से सपना हुई आत्मनिर्भर - जबलपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत जोगीढ़ाना अंतर्गत ग्राम गोकलपुर निवासी सपना काछी कभी एक सामान्य घरेलू महिला थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति को लेकर चिंतित रहती थीं। आज वे एक सफल उद्यमी और प्रशिक्षित ड्रोन पायलट के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। बेहतर भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सपना ने अपने गांव की 15 अन्य महिलाओं के साथ मिलकर ÷ओम शांति ओम महिला आजीविका स्व-सहायता समूह÷का गठन किया।

समूह से जुड़ने के बाद सपना को सिलाई, कृषि सखी तथा ड्रोन पायलट जैसे विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त हुए। मिशन से जुड़ने पर सपना को मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना से 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी। इसके अतिरिक्त सामुदायिक निवेश निधि से प्राप्त 30 हजार रुपये की राशि से उन्होंने गाय क्रय की। अपने पति के सहयोग से सपना ने व्यावसायिक सब्जी उत्पादन एवं विक्रय, सिलाई कार्य तथा दुग्ध व्यवसाय प्रारंभ किया, जिससे उनकी मासिक आय 20 से 22 हजार रुपये तक पहुंच गई।

जागरूकता से अपराध रोकथाम में सीहोर पुलिस की प्रभावी पहल

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर पुलिस द्वारा वर्ष 2025 में जागरूकता को अपराध रोकथाम का सशक्त माध्यम बनाते हुए व्यापक स्तर पर प्रभावी कार्य किया गया। पुलिस अधीक्षक सीहोर श्री दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशानुसार ÷जागरूकता से अपराध रोकथाम÷ की अवधारणा के तहत जिले भर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। उप पुलिस अधीक्षक महिला शाखा सुश्री पूजा शर्मा के नेतृत्व में यातायात पुलिस, साइबर सेल एवं महिला सुरक्षा शाखा के सहयोग से जिला स्तर पर विशेष जागरूकता टीम का गठन किया गया। इस टीम द्वारा वर्ष 2025 के दौरान जिले में कुल 1562 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 3 लाख 23 हजार 705 नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें जागरूक किया गया। ये जागरूकता कार्यक्रम सार्वजनिक स्थानों, छात्रावासों, स्कूलङ्कॉलेजों एवं धार्मिक स्थलों पर आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान महिला सुरक्षा एवं महिला अपराधों से बचाव, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों से सुरक्षा, नशा मुक्ति, अपराधों के दुष्परिणाम एवं उनसे बचाव के उपाय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर नागरिकों को जानकारी दी गई। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित अभियानों सेफ क्लिक, मुस्कान अभियान, नशा मुक्ति अभियान ङ्क नशे से दूरी है जरूरी, मैं हूँ अभिमन्यु, साइबर जागरूकता, ऑपरेशन एहसास एवं सड़क सुरक्षा अभियानों के अंतर्गत भी वर्षभर विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं। जिला पुलिस सीहोर ने संदेश दिया है कि जागरूक समाज ही सुरक्षित समाज की नींव है। पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अपने सामाजिक दायित्वों का भी प्रभावी निर्वहन किया गया है। भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता एवं सक्रियता के साथ जनजागरूकता और अपराध रोकथाम के कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे।

स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी

जिले में सतर्कता के तहत सैंपलिंग और टेस्टिंग का कार्य प्रारंभ

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जलापूर्ति प्रणालियों का उचित अनुरक्षण, जल गुणवत्ता की सतत निगरानी एवं पाइपलाइन रिसाव की समय पर पहचान अत्यंत आवश्यक है। जिला प्रशासन द्वारा शुद्ध जल प्रदाय प्रणाली के निरीक्षण हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जिला पंचायत), समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तथा पीएचई व एनवीडीए के कार्यपालन यंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन अधिकारियों को अपने क्षेत्रों के जल शोधन संयंत्रों (फिल्टर प्लांट), टंकियों और पाइपलाइनों का सूक्ष्म परीक्षण कर गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। ऽ नगरपालिका बड़वानीः- पाइपलाइनों में लीकेज की जांच हेतु तत्काल सर्वे शुरू किया गया है। प्रयोगशाला जांच में वर्तमान में क्लोरीनीकरण की प्रक्रिया मानकों के अनुरूप पाई गई है।नागरिकों की सहायता हेतु जल प्रदाय प्रभारी श्री मुन्नालाल चौहान (8719017235) और वितरण प्रभारी श्री अनिल जोशी (9993677513) को तैनात किया गया है।

नगर परिषद राजपुर व अंजड़ः- एमपीयूडीसी के प्रमुख अभियंता, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं अध्यक्ष नगर परिषद राजपुर ने निकाय के फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर पेयजल की गुणवत्ता के संबंध में लेबोरेटरी में टेस्टिंग कार्य का निरीक्षण किया गया पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। ऽ नगर परिषद पानसेमलः- मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा नगर की विभिन्न पानी टंकियों, ट्यूबवेलों, कुओं एवं सभी जल वितरण केंद्रों से पेयजल के सैंपल एकत्रित किए गए। सैंपल लेते समय जल स्रोतों की स्थिति, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था तथा जल आपूर्ति प्रणाली का निरीक्षण भी किया गया। एकत्रित किए गए सभी सैंपल प्रयोगशाला परीक्षण हेतु भेजे जाना हैं जिससे पेयजल की गुणवत्ता की जाँच की जा सके और नागरिकों को सुरक्षित व स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। संबंधित कर्मचारियों को जल स्रोतों की नियमित सफाई, टंकी की धुलाई एवं आवश्यक क्लोरीनेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ऽ नगर परिषद ठीकरीः- यहाँ सामर तलाई स्थित पानी की टंकी की विशेष सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया हैं।

सेंधवा नगर पालिका परिषद में भी पेयजल सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जल स्रोतों और टंकियों विशेष साफ-सफाई का कार्य किया गया है। इस कार्य का उद्देश्य नगरवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त पेयजल उपलब्ध कराना तथा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

दूषित पानी से इंदौर में मौतों के बाद उज्जैन सतर्क, निगम जागरूकता के लिए कर रहा मुनादी

महापौर और अपर आयुक्त का दावा, उज्जैन में सप्लाई हो रहा जल पूरी तरह शुद्ध, एहतियात के तौर पर जारी की गई अपील

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के सेवन से हुई मौतों के बाद उज्जैन नगर निगम पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। शहर में नगर निगम द्वारा कराई जा रही मुनादी ने आम नागरिकों का ध्यान पेयजल की शुद्धता की ओर खींचा है। हालांकि इस मुनादी के बाद लोगों के मन में यह सवाल भी उठने लगा कि क्या उज्जैन में नलों से आ रहा पानी सुरक्षित है?

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कदम किसी खतरे के संकेत के तौर पर नहीं, बल्कि जन-जागरूकता के उद्देश्य से उठाया गया है। महापौर और अपर आयुक्त दोनों ने दो टूक कहा है कि उज्जैन में प्रदाय किया जा रहा पेयजल पूरी तरह शुद्ध है और सभी जलस्त्रोतों की नियमित निगरानी की जा रही है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, शासन स्तर से मिले निर्देशों के बाद जलप्रदाय व्यवस्था की अतिरिक्त समीक्षा की जा रही है। शहर की सभी पेयजल टंकियों की नियमित सफाई के साथ जल शुद्धिकरण संयंत्रों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है।

जल शुद्धिकरण में उपयोग होने वाले केमिकल्स और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे।

नागरिकों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं- अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह ने बताया कि उज्जैन में दूषित पानी जैसी कोई आशंका नहीं है। मुनादी का मुख्य फोकस उन इलाकों पर है, जहां सड़क चौड़ीकरण के चलते अस्थायी या खुले नल कनेक्शन उपयोग में हैं। ऐसे क्षेत्रों में बाहरी गंदगी या लीकेज की आशंका अधिक रहती है। इसी को देखते हुए वहां के रहवासियों से अपील की जा रही है कि पेयजल को उबालकर या छानकर ही उपयोग में लें। साथ ही जरूरत के अनुसार पानी को शुद्ध करने की दवाइयों का वितरण भी किया जा रहा है।

श्री सिंह ने यह भी कहा कि गंदे पानी की शिकायत मिलते ही संबंधित क्षेत्र में तुरंत टीम भेजकर समस्या का समाधान किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि किसी भी स्थिति में नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ समझौता न हो।

मुनादी केवल एहतियात के लिए- इस पूरे मामले पर महापौर मुकेश टटवाल ने कहा कि जैसे घरों में टंकी की सफाई के बाद कुछ दिन सावधानी बरती जाती है, उसी तरह नागरिकों को सतर्क रहने की समझाइश दी जा रही है। शहर की सभी टंकियों की सफाई की जा रही है और जलप्रदाय पूरी तरह सुरक्षित है। मुनादी केवल एहतियात और भरोसे के साथ जागरूकता फैलाने का माध्यम है।

निगम की अपील, ऐसे रखें सावधानी

- नलों से आने वाले पानी को सीधे पीने से बचें
- पेयजल को उबालकर या छानकर उपयोग करें
- खुले या अस्थायी कनेक्शन वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता रखें
- गंदे पानी की शिकायत तुरंत नगर निगम को दें
- निगम द्वारा वितरित शुद्धिकरण दवाओं का सही उपयोग करें।

नए साल में भी शहर के कई ब्रिज पर अंधेरा

स्ट्रीट लाइटें बंद, शहर के कई मार्गों के भी यही हाल- अंधेरे में सफर से दुर्घटनाओं का खतरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नए वर्ष में भी उज्जैन शहर के कई प्रमुख मार्ग और पुल शाम ढलते ही अंधेरे में डूब जाते हैं। हालात यह हैं कि हरिफाटक ब्रिज को छोड़कर भैरवगढ़ ब्रिज, विक्रांत भैरव ब्रिज, जीरो पॉइंट ओवरब्रिज, चिंतामण ओवरब्रिज सहित अन्य मार्ग पूरी तरह अंधेरे में रहते हैं।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ की तैयारी में लगे उज्जैन शहर में सिर्फ ब्रिज ही नहीं, शहर के बाहरी इलाकों की सडकें भी स्ट्रीट लाइटों के बंद रहने से लगातार दुर्घटनाओं और असुरक्षा का खतरा बढ़ा रही हैं। आगर रोड से एमआर-5 तक का पूरा क्षेत्र पिछले एक साल से अंधेरे में डूबा हुआ है। इसके आसपास की कॉलोनियों में भी यही स्थिति बनी हुई है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि वे वार्ड पार्षदों से लेकर निगम के प्रकाश विभाग तक कई बार शिकायतें कर चुके हैं, लेकिन समाधान आज तक नहीं हुआ। विभाग की तरफ से कभी कर्मचारियों की कमी, तो कभी मेंटेनेंस संसाधन न होने का तर्क दिया जाता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि जो स्ट्रीट लाइटें खराब हो चुकी हैं, उन्हें बदलने के लिए भी विभाग के पास न स्टॉक है और न ही खरीद के लिए बजट। नतीजा शहर की अधिकांश सडकें और ब्रिज हर रात अंधेरे की गिरफ्त में। लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में बंद स्ट्रीट लाइटें न सिर्फ यातायात के लिए चुनौती हैं, बल्कि अपराध बढने का भी खतरा बढ़ा रही हैं।

यह ब्रिज जो आज भी अंधेरे में

भैरवगढ़ ब्रिज, विक्रांत भैरव ब्रिज, जीरो पॉइंट ओवरब्रिज, चिंतामण ओवरब्रिज, अन्य सभी प्रमुख पुल।

सुधार नहीं होने के ये कारण

कर्मचारी उपलब्ध नहीं, मेंटेनेंस उपकरण नहीं, लाइट बदलने के लिए स्टॉक खत्म, बजट का अभाव।

इन इलाकों में सालभर से समस्या

आगर रोड, एमआर-5 मार्ग, आसपास की कॉलोनियां, जीरो पाईन्ट ब्रिज से स्मार्ट सडक तक।

उज्जैन रेलवे स्टेशन परिसर में लगे 95 सीसीटीवी कैमरों में से कई कैमरे बंद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए 95 कैमरों में से करीब आधा दर्जन कैमरे बंद हैं। इसके अलावा कुछ कैमरे ऐसे हैं जिनकी लोकेशन आउट हो चुकी है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही चल रही है।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ और जीआरपी ने अपने-अपने स्तर पर कैमरे लगाए हैं, जिनमें जीआरपी के 17 और आरपीएफ के 78 कैमरे है। कुल मिलाकर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में 95 कैमरे लगे हैं लेकिन इन 95 कैमरों में से 25 कैमरे बंद है। शेष कैमरों की क्वालिटी भी ठीक नहीं है, इनमें पास का भी कुछ नहीं दिखता है। ऐसे में कोई घटना होने पर किसी का चेहरा साफ दिखाई नहीं देता है जिसका लाभ अपराधियों को मिल रहा है। बता दें कि जीआरपी और आरपीएफ सभी के कैमरों को ठेका कंपनी ने मैंटेनेंस की गारंटी के साथ लगाया था। विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अधिकारी कई बार ठेका कंपनी को सुधार के लिए पत्र व्यवहार कर चुके हैं, लेकिन अभी तक वहां से रिपेयर के लिए टीम नहीं आई है।

नए साल के तीसरे दिन घने कोहरे की आगोश में उज्जैन

9 बजे तक 50 मीटर दूर का कुछ भी नजर नहीं आ रहा था – साढ़े 4 डिग्री गिरा तापमान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नए साल के तीसरे दिन मौसम ने करवट ली और आज शनिवार सुबह उज्जैन में घना कोहरा छा गया। इसके एक दिन पहले भी दिनभर सर्द हवाएं चलती रही और बादल छाए रहे। आज सुबह 9 बजे तक कोहरे के कारण 50 मीटर दूर देखना मुश्किल हो रहा था। सडकों पर लोग हैडलाईट के सहारे वाहन चला रहे थे। इसके बाद भी कोहरा छाया रहा, वहीं हल्की-हल्की फुहारें वातावरण को भिगो रही थी। 24 घंटे में अधिकतम तापमान में साढ़े 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

वर्ष के अंतिम दिन ठंड रही, लेकिन मौसम साफ था, पर नए की तीसरी सुबह मौसम के बिगड़े मिजाज वाली थी। हालात यह थी कि दिन चढने के बाद भी कोहरा कम नहीं हुआ। कोहरे की फुहारें और ठंडी हवा ने वातावरण को अधिक ठंडा कर दिया। शनिवार सुबह इस सीजन का सबसे ज्यादा घना कोहरा छाया। विजिबिलिटी 50 से कम होने का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि तीन बत्ती चौराहा से टावर नजर ही नहीं आ रहा था वही रामघाट पर खड़े लोगों को सामने की ओर दत्त अखाड़ा दिख ही नहीं रहा था कोर की अधिकता के कारण वाहनों को हेडलाइट के सहारे चलना पड़ा। रलवे स्टेशन क्षेत्र में भी सुबह धुंध छाई होने से मनोहारी दृश्य दिखाई दे रहा था।

24 घंटे में साढ़े चार डिग्री गिरा दिन का पारा - मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। शीतलहर और कोल्ड-डे की स्थिति भी बन सकती है। अगले दो दिन यानी, 4-5 जनवरी को हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा। साथ ही दिन में सर्द हवा भी चलेगी। नए साल की तीसरी सुबह ठंड और घने कोहरे के साथ हुई। अधिकतम तापमान बीते दिन 22.5 डिग्री दर्ज हुआ। जो एक दिन पहले के मुकाबले 4.5 डिग्री कम था। वहीं आज सुबह न्यनतम तापमान में मामूली गिरावट रही और यह 13.3 डिग्री दर्ज हुआ। कोहरे की वजह से वातावरण में नमी भी बहुत अधिक रही आद्रता का प्रतिशत 93 था। वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त ने बताया कि आमतौर पर जनवरी में इसी तरह का मौसम रहता है। आने वाले दिनों में उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद ठंड और बढ़ सकती है। इधर स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर शीतलहर से बचने की सलाह दी है। माधव नगर अस्पताल के सीनियर डॉ. एचपी सोनानिया ने बताया कि मौसम की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर गुनगुने पानी और गर्म खाद्य सामग्री का सेवन करें। खुले में गर्म वस्त्र पहनकर ही निकलें और रात में घरों से निकलने से परहेज करें।

चौराहों पर जले अलाव - शनिवार सुबह शीतलहर और घने कोहरे की बीच 10 बजे तक बाजार में सन्नाटे जैसी स्थिति रही। कई चौराहों पर लोग ठंड से बचने के लिए अलाव तापते नजर आए। सडकों पर लोग निकलते वक्त गर्म कपड़ों में लिपटे दिखाई दे रहे थे।

बेटी के सम्मान में सर्व समाज मैदान में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आईएएस संतोष वर्मा ने एक बेटी पर अपमानजनक टिप्पणी कर समाज में घृणा और विद्वेष फैलाने का कार्य किया परंतु उसका कुछ नहीं हुआ। ग्वालियर में हिंदुओं का धार्मिक ग्रंथ मनुस्मृति जलाई गई कुछ नहीं हुआ। परंतु जब माई के लालों ने ग्वालियर में उक्त अन्याय के विरोध में आंदोलन किया तब किसी युवक ने एक पोस्टर जलाया उस पर अनिल मिश्रा एडवोकेट और एवं उनके 7 साथियों पर एट्रोसिटी एक्ट का मुकदमा दर्ज हो गया। सरकार की इस सौतेली नीति पर भोपाल में सर्व समाज की एक बैठक डॉ हीरालाल त्रिवेदी पूर्व आईएएस की अध्यक्षता में हुई जिसमें ब्राह्मण समाज, कायस्थ समाज वैश्य गहोई समाज, साहू समाज, करनी सेना एवं सपाक्स के मुख्य पदाधिकारियों ने भाग लिया एवं सरकार के इस पक्षपात पूर्ण कृत्य की निंदा की तथा आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया गया। सोमवार को मुख्य सचिव एवं डीजीपी को ज्ञापन देंगे। मुख्यमंत्री जी से भी मुलाकात करवाने की ज्ञापन देंगे। मंगलवार को जिला मुख्यालय पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा अन्य नगर एवं कस्बा क्षेत्रों में संबंधित थाने पर सर्व समाज के लोग एकत्रित होंगे तथा हनुमान चालीसा पढ़ने के बाद ज्ञापन देंगे। 7 से 11 जनवरी तक सभी सांसदों, मंत्रियों एवं विधायकों को उनके क्षेत्र में ज्ञापन सौंपे जायेंगे। सुनवाई न होने पर 18 जनवरी को मध्य प्रदेश बंद का आह्वान किया जाएगा। जनवरी अंत में राजधानी भोपाल में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। सर्व समाज संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक का दायित्व डॉ वीणा घाणेकर पूर्व आईएएस को सौंपा गया। पूरे प्रदेश में उनके नेतृत्व में यह आंदोलन चलाया जाएगा। सुरेश शुक्ला एवं राहुल राजपूत सहसंयोजक होंगे एवं समाज के सभी पदाधिकारीयों के बीच समन्वय का कार्य करेंगे।

मालवी लोहार समाज के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन; एकता और सक्रियता का नया अध्याय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवी लोहार समाज जनकल्याण संगठन, जिला उज्जैन द्वारा सामाजिक एकजुटता और सूचनाओं के प्रभावी आदान-प्रदान के उद्देश्य से वर्ष 2026 के नूतन वार्षिक कैलेंडर का उज्जैन उत्तर के लोकप्रिय विधायक अनिल जैन जी कालूखेड़ा एवं भाजपा महामंत्री जगदीश जी पांचाल के करकमलों से विमोचन किया गया। यह पहल समाज को एक सूत्र में पिरोने और संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक कदम मानी जा रही है।

कैलेंडर मे मालवी लोहार समाज की ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर चारभुजानाथ मंदिर रामपुरा,श्री विश्वकर्मा मंदिर व धर्मशाला धार,श्री रूपनारायणजी मंदिर उदयपुर,व श्री राममंदिर दुधालिया का छायाचित्र पार्श्व मे संयोजन किया गया है जिससे कि समाज को उनकी जानकारी, संरक्षण संवर्धन एवं नवसृजन तथा एकता की भावना बलवती होकर सामाजिक समरसता बढ़ती रहे।

विमोचन के अवसर पर संगठन के अध्यक्ष श्री सुभाष सिसोदिया ने कैलेंडर को समाज के गौरव एवं प्रगति का आईना बताते हुए कहा कि - यह कैलेंडर मात्र तिथियों का विवरण नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज की सक्रियता और हमारी संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक है।आगामी समय मे कार्यक्रमों और महत्वपूर्ण गतिविधियों की जानकारी भी इसमे समाहित करने का प्रयास किया जावेगा,जिससे कि जानकारी हर घर तक सुलभ हो और समाज के हर व्यक्ति की संगठन से जुड़ाव के प्रति रूचि बढ़ सकें।

संस्था के संरक्षक श्री रामलाल जी चौहान ने इस रचनात्मक कार्य की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से समाज में नई ऊर्जा का संचार होता है। चौहान जी ने कैलेंडर विमोचन के लिए संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित की है।

राजस्थान के बदमाशों ने चुराया था 279 क्विंटल सोयाबीन से भरा ट्रक

11 दिन बाद हिरासत में आए, भीलवाड़ा से चुरा चुके थे लोहे का सरिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर मंडी प्रांगण से गोडाउन के बाहर खड़ा 279 क्विंटल सोयाबीन से भरा ट्रक अज्ञात बदमाशों ने चोरी कर लिया। 11 दिन की तलाश के बाद पुलिस ने राजस्थान के दो बदमाशों को हिरासत में लिया है। जिनसे चोरी की सोयाबीन और ट्रक जप्त कर शनिवार को खुलासा किया गया। बदमाश पूर्व में भीलवाड़ा से लोहे का कई टन सरिया भी चोरी कर चुके थे।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि माहत्मा गांधी मार्ग बड़नगर में रहने वाले नरेन्द्र पिता सतीशचंद्र 65 साल कृषि उपज मंडी बड़नगर में फर्म सतीशचंद्र-गिरीशचंद्र नाम से कृषि उपज का व्यवसाय करते है। 22 दिसंबर को उन्होने एस.एस. रोड लाइन के माध्यम से ट्रक क्रमांक आरजे 27 जीसी 8565 में अपनी फर्म से 279 क्विंटल सोयाबीन (लगभग 28 टन) लोड़ की थी। सोयाबीन नीमच स्थित मारवीनंदन प्रोटिन्स लिमिटेड भेजी जाना थी। देर शाम लोड की गई सोयाबीन से भरा ट्रक उन्होने अपने गोडाउन मंडी परिसर में खड़ा किया था। जिसमें बिल्टी भी रखी गई थी। सुबह ट्रक रवाना किया जाना था, लेकिन रात में ही सोयाबीन से भरा ट्रक गायब हो गया। व्यापारी ने भाई के साथ तीन दिनों तक सोयाबीन से भरे ट्रक की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। मामले की शिकायत बड़नगर थाने पहुंचकर की गई। मामले में जांच के बाद अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कियाा गया है। मंडी प्रागंण से लेकर आसपास सभी जगहों के सीसीटीवी कैमरों को देखा गया और तकनीकी साक्ष्यों से जानकारी जुटाई गई। 11 दिन बाद एक टीम राजस्थान के चित्तौड़गढ़ पहुंची जहां से पता चला कि ट्रक लेकर दो लोग रवाना हो चुके हैं। पुलिस टीम ने पीछा शुरू किया और बदनावर के पास वंडर सीमेंट फैक्ट्री के आसपास घेराबंदी का ट्रक को रोक लिया गया। जिसमें ड्राइवर सूरजमल पिता मोहनलाल निवासी चित्तौड़गढ़ और तनिष्क पिता हरकलाल सवार मिले। दोनों को हिरासत में लिया गया और पूछताछ के लिए थाने लाया गया जहां उन्होंने सोयाबीन चोरी करना स्वीकार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि पूर्व में वह भीलवाड़ा से लोहे का कई टन सरिया भी चोरी करने की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। थाना प्रभारी के अनुसार दोनों को पीछा कर गिरफ्तार करने में उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह गरवाल, साइबर सेल उप निरीक्षक प्रतीक यादव, प्रधान आरक्षक राजपाल सिंह, राहुल सिंह राठौर, हेमराज खरे, आरक्षक महेश मौर्या, रोहित मालवीय, नारायण सरा, मनोज बैरागी, अजय चौहान, कैलाश गरवाल, सैनिक अमर सिंह चौहान की भूमिका रही है।

निराश्रित बुजुर्गों को किया गेहूं वितरण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा मंच सत्संग समिति उज्जैन के तत्वावधान में 2022 वर्ष का प्रथम माह का गेहूं मंच कार्यालय हृदयेश्वर महादेव मंदिर हीरा मिल परिसर जीरो पॉइंट ब्रिज के पास वितरण किया गया। समाजसेवी अजित मंगलम ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल चंदेल, समाजसेवी प्रकाश चित्तौड़ा, प्रदीप पांडे, मंच के मार्गदर्शन श्याम महेश्वरी, शोभा जोशी, अरविंद जैन दानवीर थे। सभी अतिथियों का स्वागत मंच संयोजक विठ्ठल नागर, लीलाधर आडतिया, अध्यक्ष मनोहर परमार, उपाध्यक्ष महेश सोनोने, सचिव विजय तिवारी, सह सचिव पारस कुमार जैन, फूलचंद जड़िया, कोषाध्यक्ष ओम हरोड, कार्यालय प्रभारी धर्मेंद्र जैन, किशोर भाटी, महिला मंच सत्संग समिति उज्जैन की संयोजक गीता बेन रामी, संगठन महामंत्री पिंकी यादव, संगठन महामंत्री कविता राय, अध्यक्ष लक्ष्मी लश्करी, उपाध्यक्ष भारती गुप्ता, मीता आतिया, सचिव प्रेमलता रामी, सह सचिव नीता राठौर, योगिता आर्य, गेहूं दान वितरण समिति कोषाध्यक्ष पंडित संतोष शर्मा, युवा मानव सेवा समिति के कोषाध्यक्ष नरेंद्र डोरिया आदी।

ट्रेन से गिरी महिला यात्री को प्रधान आरक्षक ने बचाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रही महिला अचानक गिर गई। आरपीएफ के प्रधान आरक्षक ने तत्काल दौड़ लगाई और महिला की जान बचा ली। महिला प्लेटफार्म और कोच के बीच गिरी थी।

सीहोर की रहने वाली संजना पति राजेश यादव 48 वर्ष परिवार के साथ सीहोर से नीमच की यात्रा ट्रेन से कर रही थी। शुक्रवार रात ट्रेन उज्जैन स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंची। इस दौरान संजना प्लेटफार्म पर खाने पीने का सामान लेने के लिए उतर गई, वह सामान लेकर वापस लौटी इससे पहले ट्रेन चल पड़ी। संजना ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया लेकिन संतुलन बिगड़ने से अचानक गिर पड़ी। तत्काल ही प्लेटफार्म पर ड्यूटी कर रहा है आरपीएफ के प्रधान आरक्षक रामाश्रे पाल ने खतरे का आभास होते ही तत्परता दिखाई और महिला यात्री को बचा लिया। अगर थोड़ी सी भी देर होती तो महिला यात्री प्लेटफार्म से पटरियों के बीच चली जाती। महिला यात्री प्लेटफार्म और कोच के बीच में फंस गई थी जिसे खींचकर बाहर निकाला। प्रधान रक्षा द्वारा महिला के जीवन की रक्षा की गई बाद उक्त महिला रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट उज्जैन पर अपने एक अन्य परिचित के साथ उपस्थित हुई महिला के शरीर पर मामूली चोटे आई थी जिन्हें उपचार के लिये उनकी सहमति पर परिजनों के साथ अस्पताल भेजा गया।

करंट लगने से 2 युवको की हुई मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भैरवगढ़ और माकडोन थाना क्षेत्र में शुक्रवार को करंट लगने से 2 युवको की मौत हो गई। दोनों को चरक अस्पताल लाया गया था। अस्पताल पुलिस चौकी ने बताया कि माकडोन के ग्राम पाट से मयंक पिता जीवन आजना 21 साल का परिजन मृत अवस्था में लेकर आये थे। मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। मयंक को खेत में करंट लगना बताया गया है। मामले की जांच के लिये मर्ग डायरी माकडोन थाना पुलिस को भेजी जायेगी। वहीं भैरवगढ़ थाना एएसआई जितेन्द्र गौसर ने बताया कि ग्राम सिंगावदा में रहने वाले नरेन्द्र पिता राजेश आंजना 25 साल को परिजन मृत अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंचे थे। ड्युटी कम्पाउंडर की सूचना पर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया। परिवार के शोकाकुल होने पर इतना ही सामने आया कि खेत में करंट लगने से मौत हुई है। पैर में करंट लगने के निशान सामने आये है। एएसआई गौसर के अनुसार परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की जायेगी।

नानाखेड़ा चौराहे पर यातायात जागरूकता माह का शुभारंभ किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को नानाखेड़ा चौराहे पर स्मार्ट सिटी और ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में यातायात जागरूकता माह का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह एवं सीईओ स्मार्ट सिटी श्री संदीप शिवा तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। नानाखेड़ा चौराहे पर जनप्रतिनिधियों ने टू व्हीलर और फोर व्हीलर पर आने जाने वाले लोगों से अपील की कि वे अनिवार्य रूप से दो पहिया वाहन (टू व्हीलर) चलाते समय हेलमेट पहनें और चार पहिया वाहन (फोर व्हीलर) चलाते समय सीट बेल्ट लगाए।

सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने इस अवसर पर कहा कि यह एक अनूठी और अच्छी पहल है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सभी यातायात के नियमों का पालन करें। आने वाले समय में सिंहस्थ महापर्व का भी आयोजन उज्जैन में किया जाना है। ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार के लिए प्रशासन के साथ-साथ जन भागीदारी की भी आवश्यकता है। आमजन को भी इसमें सहयोग करना होगा।

50 वर्षों से निर्मित मंदिर के चबुतरे व शासकीय गली पर अवैध कब्जा कर होटल का निर्माण किया जाने...

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मैं दिनेश रायकवार पिता दीपचंद रायकवार निवासी 38/1, महिष्मति सुभाष मार्ग, गधा पुलिया, उज्जैन द्वारा अपने आधिपत्य व स्वामित्व के घर के भूतल में एक ऑटो गैरेज का संचालन करता हूँ तथा दुकान के पीछे की ओर एक शामलाती गली है व श्याम बाबा का 50 वर्षो पुराना ओटला भी है। उक्त रिक्त गली व चबुतरे पर करण पिता स्व. अनिल थनवार ने अवैध रूप से कब्जा काबिज कर लिया है तथा उस पर होटल का रूप दिया जा रहा है। इसकी शिकायत मेरे द्वारा श्रीमान भवन अधिकारी महोदय झोन क्रमांक 03, नगर पालिक निगम, उज्जैन में लिखित रूप से की गई है। इसी के साथ जिलाधीश महोदय के समक्ष में एक शिकायती आवेदन दिया गया है। इस बात से नाराज होकर करण व उसके परिवार के लोग आए दिन मुझसे विवाद करते है और धमकाते रहते है। मैं थाने में भी शिकायत दर्ज कर चुका हूँ लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई है। विगत 50 वर्षो से भगवान का औटला था जिसे तोड़कर अवैध कब्जा कर लिया गया है और साथ ही मेरे घर के पीछे लगभग साढ़े नौ फिट की गली पर भी कब्जा किया जा रहा है। मेरी दुकान जो कि मेरे स्वामित्व की जगह पर थी उसे नगर पालिक निगम में कार्यरत मोनू थनवार ने षडयंत्र पूर्वक इनके साथ मिलकर जब्त कर ली है। इन लोगों ने षडयंत्र पूर्वक सरकारी चबुतरे और गली का हक त्याग कर रजिस्ट्री करवा ली है जिसमें आशा बाई थनवार और परिवार के जितेन्द्र थनवार व मोनू थनवार भी सरकारी गली व चबूतरे का हक त्यागा है जो कि सरासर गलत व षडयंत्रपूर्वक हथिया ली गई ।

करण पिता स्व. श्री अनिल थनवार नगर पालिक निगम में 29 दिवस में कार्यरत है और गैंग प्रभारी मोनू थनवार के अंकल का पुत्र है। ये सभी मिलकर आए दिन मुझे प्रताड़ित करते है और मेरे स्वामित्व के मकान पर भी अवैध रूप से कब्जा काबिज करना चाहते है। कई बार शिकायतें करने के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अतः प्रेस कॉन्फैन्स के माध्यम से मैं सभी पत्रकार बन्धुओं से अनुरोध करता हूँ कि समाचार का प्रकाशन कर शासकीय गली व मंदिर के चबुतरे पर जो अवैध अतिक्रमण किया गया है उसको तुड़वाया जावें तथा जमीन को रिक्त करवाया जावें। साथ ही दिनेश रायकवार ने चेतावनी दी कि यदि नगर निगम ने कार्यवाही नहीं की तो अधिकारियों के समक्ष आत्महत्या कर लूंगा।